



SUNITA PAL

लिंग _____: स्त्री
जन्म तारीख _____: 13/05/1972
जन्म दिन _____: शनिवार
जन्म समय _____: 13:45:09
इष्टकाल (घटी) _____: 19:05:04
स्थान _____: Mumbai
देश _____: India
अक्षांश _____: 018:57:N
रेखांश _____: 072:49:E
मध्य रेखांश _____: +05:30
युद्ध / ग्रीष्म समय _____: 00 / 00
स्थानिक समय संस्कार _____: -0:38:44
स्थानिक समय _____: 13:06:25
सांपत्तिक काल _____: 04:31:10
अयन _____: उत्तर
गोल _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
विंशोत्तरी भोग्यदशा _____: रवि : 03-09-04
अष्टोत्तरी भोग्यदशा _____: शुक्र : 18-04-19

अयनांश _____: 23:28:29
सी.पी. / के.पी. _____: CP
सूर्योदय _____: 06:07:07
सूर्यास्त _____: 19:05:09
दिन मान _____: 12:58:02

Module _____: aap aur aapka bhavishya
चंद्र राशि (पाया) _____: वृषभ (तांबा)
राशि अक्षर _____: ब व उ
सूर्य राशी(पाश्चात्य) _____: वृषभ
तिथि _____: शुक्ल - 1
नक्षत्र _____: कृत्तिका (2)
नक्षत्र अक्षर _____: इ
नक्षत्र पाया _____: सोना
योग _____: शोभन
करण _____: किंस्तुघ्न
शक सवंत् _____: 1894 - परिधावी
हिन्दू महिना (अमांत) _____: 2028 - निज - वैशाख
हिन्दू महिना (पुर्निमांत) _____: 2029 - निज - वैशाख

While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

॥ Om Shri Ganeshaya Namah ॥



NIYATI JYOTISH
DINESH MISHRA
ASTROLOGY AND GEMS STONE

39, SHAURY COMPLEX, JP ROAD ANDHERI WEST

SUNITA PAL

पंचांग (निरयन)

वर्ग		आरंभ	अंत
राशी	मेष	11/05/1972 11:59	13/05/1972 11:11
	✓ वृषभ	13/05/1972 11:11	15/05/1972 11:04
	मिथुन	15/05/1972 11:04	17/05/1972 13:38
तिथी	कृष्ण - 15	12/05/1972 13:33	13/05/1972 09:39
	✓ शुक्ल - 1	13/05/1972 09:39	14/05/1972 05:52
	शुक्ल - 2	14/05/1972 05:52	15/05/1972 02:24
नक्षत्र	भरणी	12/05/1972 09:01	13/05/1972 05:57
	✓ कृत्तिका	13/05/1972 05:57	14/05/1972 02:58
	रोहिणी	14/05/1972 02:58	15/05/1972 00:16
योग	सौभाग्य	12/05/1972 07:00	13/05/1972 02:41
	✓ शोभन	13/05/1972 02:41	13/05/1972 22:26
	अतिगंड	13/05/1972 22:26	14/05/1972 18:22
करण	नाग	12/05/1972 23:36	13/05/1972 09:39
	✓ किंस्तुघ्न	13/05/1972 09:39	13/05/1972 19:45
	बव	13/05/1972 19:45	14/05/1972 05:52

अवकहड़ा चक्र	
योग	शोभन
करण	किंस्तुघ्न
वर्ण	वैश्य
तत्व	भूमि
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरुड
योनी	मेष
गण	राक्षस
युंजा	पूर्व
नाड़ी	अंत्य

घात चक्र	
मास	मार्गशीर्ष
तिथि	5-10-15
दिवस	शनिवार
नक्षत्र	हस्त
योग	सुकर्मा
करण	शकुनि
प्रहर	4
चंद्र	कन्या
स्त्रीचंद्र	धनु

साढेसाती विचार

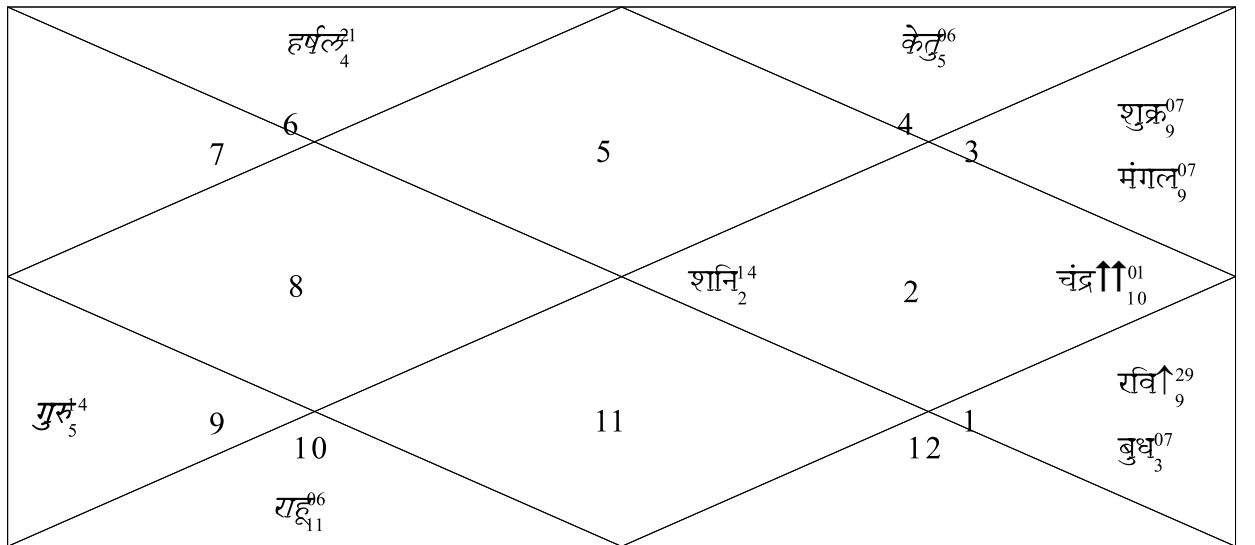
साढेसाती	28/04/1971	-	23/07/1975
छोटी पनोती	07/09/1977	-	27/07/1980
छोटी पनोती	17/12/1987	-	15/12/1990
साढेसाती	17/04/1998	-	26/05/2005
छोटी पनोती	01/11/2006	-	10/09/2009
छोटी पनोती	26/01/2017	-	24/01/2020
साढेसाती	03/06/2027	-	13/07/2034
छोटी पनोती	27/08/2036	-	13/07/2039

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशी अंश	नक्षत्र	रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न	सिंह 15:33:04	पूर्वा-फा. 1	रवि	शुक्र	शुक्र	-
रवि	मेष 29:11:20	कृत्तिका 1	मंगल	रवि	मंगल	मृत
चंद्र	वृषभ 01:38:26	कृत्तिका 2	शुक्र	रवि	गुरु	मृत
मंगल	मिथुन 07:02:01	आर्द्रा 1	बुध	राहू	राहू	कुमार
बुध	मेष 07:04:54	अश्विनी 3	मंगल	केतु	राहू	कुमार
गुरु (व)	धनु 14:19:43	पू.षाढा 1	गुरु	शुक्र	शुक्र	युवा
शुक्र	मिथुन 07:53:38	आर्द्रा 1	बुध	राहू	राहू	कुमार
शनि	वृषभ 14:09:42	रोहिणी 2	शुक्र	चंद्र	गुरु	युवा
राहू (व)	मकर 06:05:33	उ.षाढा 3	शनि	रवि	बुध	वृद्ध
केतु (व)	कर्क 06:05:33	पुष्य 1	चंद्र	शनि	बुध	वृद्ध
हर्षल (व)	कन्या 21:21:43	हस्त 4	बुध	चंद्र	शुक्र	कुमार
नेप. (व)	वृश्चिक 10:43:33	अनुराधा 3	मंगल	शनि	रवि	वृद्ध
प्लुटो (व)	कन्या 06:01:41	उत्तरा-फा. 3	बुध	रवि	बुध	वृद्ध
मादी	वृषभ 12:40:19	रोहिणी 1	शुक्र	चंद्र	राहू	-
भा.-सहंम	सिंह 18:00:09	पूर्वा-फा. 2	रवि	शुक्र	मंगल	-

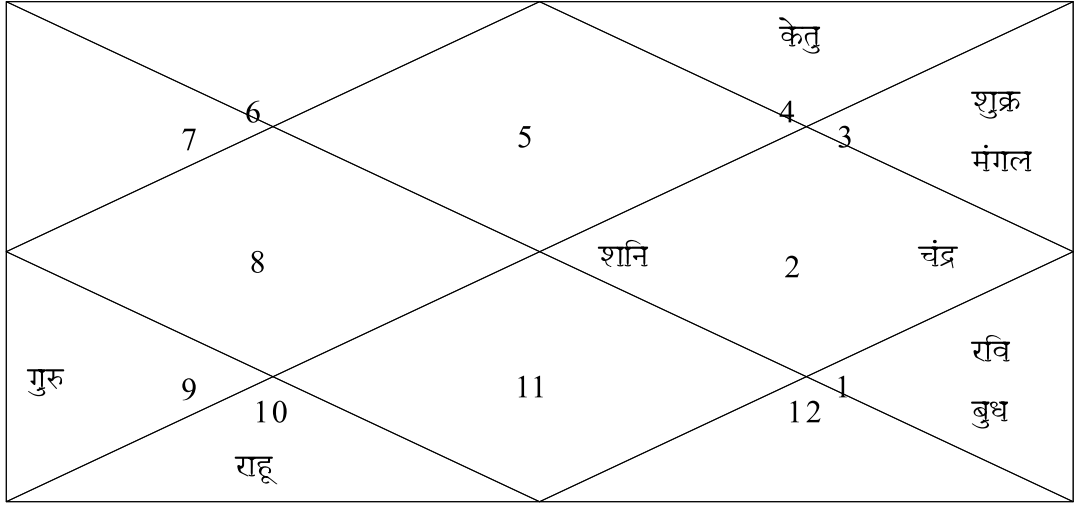
ग्रह	गति	शर	क्रांति	अस्त	अवस्था	भाव
रवि	00:57:53 -	00:00:00	18:26:28	-	उच्च	-
चंद्र	15:09:12 -	04:30:09	23:24:51	अस्त	—उच्च	-
मंगल	00:38:27 मध्यम	01:10:14	24:36:50	-	-	-
बुध	01:35:21 मध्यम	-02:38:44	09:11:22	-	-	-
गुरु	-00:03:27 मध्यम	00:16:14	-22:56:38	-	-	स्वग्रही
शुक्र	00:26:43 मध्यम	04:00:50	27:27:02	-	-	-
शनि	00:07:38 शीघ्र	-01:33:56	20:02:35	-	-	-
राहू	-00:03:10 -	00:00:00	00:00:00	-	-	-
केतु	-00:03:10 -	00:00:00	00:00:00	-	-	-

लग्न कुंडली



मंगल >>> बुध >>> मंगल
वर्गोत्तम ग्रह : लग्न, शनि

चलित कुंडली

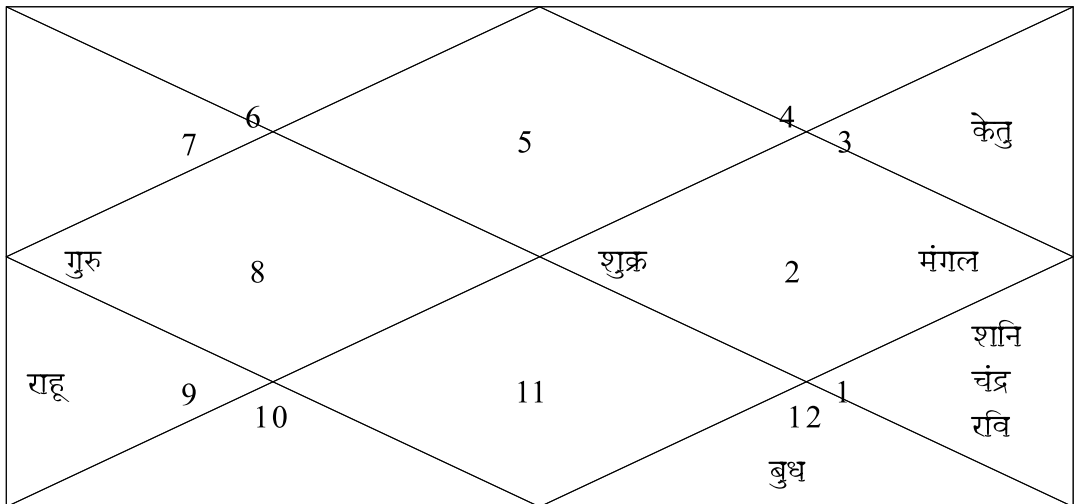


चलित भाव

कस्य भाव

भाव	आरंभ	मध्य	कस्य भाव	रा स्वा	न स्वा	उ स्वा
1	सिंह 00:37:27	सिंह 15:33:04	सिंह 15:33:04	रवि	शुक्र	शुक्र
2	कन्या 00:37:28	कन्या 15:41:51	कन्या 14:14:43	बुध	चंद्र	गुरु
3	तुला 00:46:15	तुला 15:50:39	तुला 15:01:09	शुक्र	ग्रह	केतु
4	वृश्चिक 00:55:03	वृश्चिक 15:59:27	वृश्चिक 15:59:27	मंगल	शनि	गुरु
5	धनु 00:55:03	धनु 15:50:39	धनु 16:15:23	गुरु	शुक्र	चंद्र
6	मकर 00:46:15	मकर 15:41:51	मकर 16:06:17	शनि	चंद्र	शनि
7	कुंभ 00:37:27	कुंभ 15:33:04	कुंभ 15:33:04	शनि	ग्रह	शुक्र
8	मीन 00:37:27	मीन 15:41:51	मीन 14:14:43	गुरु	शनि	ग्रह
9	मेष 00:46:16	मेष 15:50:39	मेष 15:01:09	मंगल	शुक्र	शुक्र
10	वृषभ 00:55:03	वृषभ 15:59:27	वृषभ 15:59:27	शुक्र	चंद्र	शनि
11	मिथुन 00:55:03	मिथुन 15:50:39	मिथुन 16:15:23	बुध	ग्रह	शुक्र
12	कर्क 00:46:16	कर्क 15:41:51	कर्क 16:06:17	चंद्र	शनि	गुरु

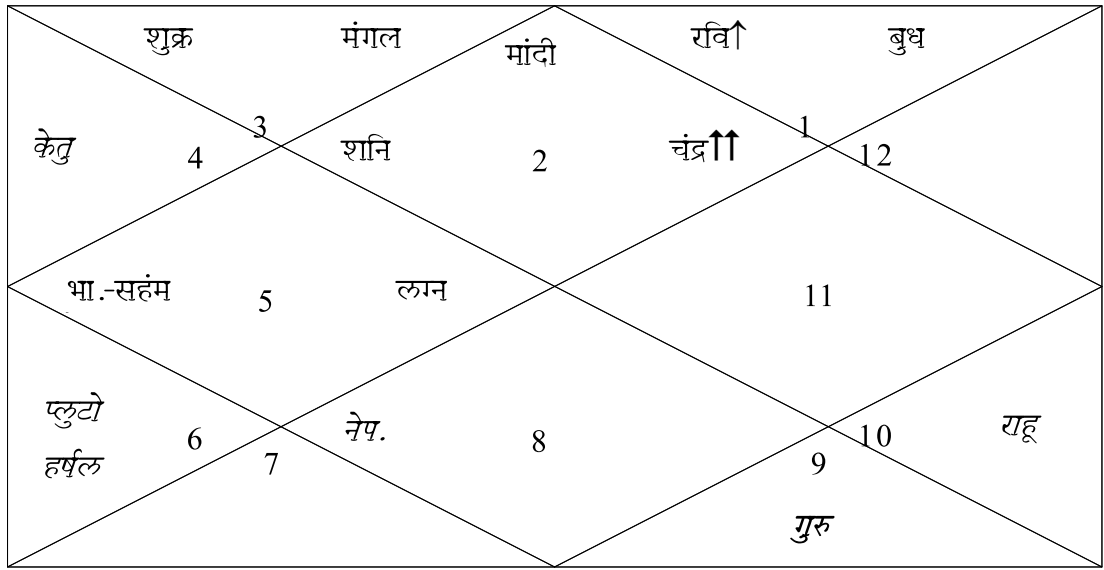
कस्य कुंडली



ताराचक्र - नक्षत्र स्वामि

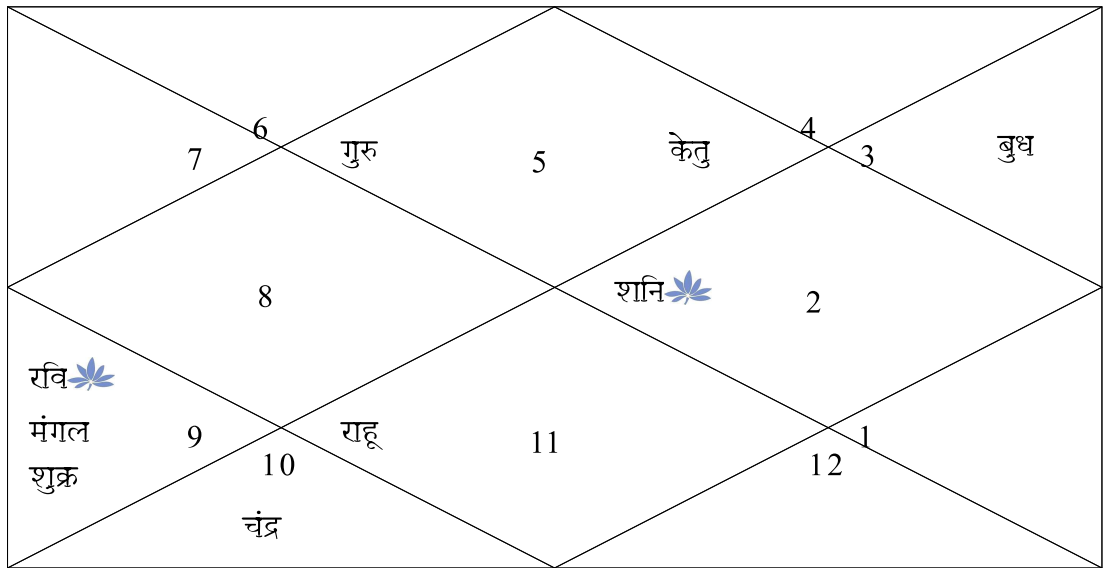
जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	वध	मैत्री	अधि-मैत्री
कृत्तिका	रोहिणी	मृग	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पूर्वा-फा.
उत्तरा-फा.	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पू.षाढा
उ.षाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शततारका	पू.भाद्र	उ.भाद्र	रेवती	अश्विनी	भरणी
रवि	चंद्र	मंगल	राहू	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र

चंद्र राशि कुंडली



मंगल >>> बुध >>> मंगल

नवमांश कुंडली



रवि >>> गुरु >>> रवि

नैसर्गिक मैत्री चक्र

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
रवि	-	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	-	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	-	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	-	सम	मित्र	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	-	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	-	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	-	मित्र	शत्रु
राहू	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	मित्र	-	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	-

तात्कालिक मैत्री चक्र

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
रवि	-	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
चंद्र	मित्र	-	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
मंगल	मित्र	मित्र	-	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
बुध	शत्रु	मित्र	मित्र	-	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
गुरु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	-	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
शुक्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	-	मित्र	शत्रु	मित्र
शनि	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	-	शत्रु	मित्र
राहू	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	-	शत्रु
केतु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	-

पंचधा मैत्री चक्र

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
रवि	--	अधिमित्र	अधिमित्र	शत्रु	सम	सम	सम	सम	सम
चंद्र	अधिमित्र	--	मित्र	अधिमित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	अधिशत्रु	सम
मंगल	अधिमित्र	अधिमित्र	--	सम	सम	शत्रु	मित्र	अधिशत्रु	अधिमित्र
बुध	सम	सम	मित्र	--	शत्रु	अधिमित्र	मित्र	अधिमित्र	मित्र
गुरु	सम	सम	सम	अधिशत्रु	--	अधिशत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	अधिमित्र	शत्रु	--	अधिमित्र	सम	अधिमित्र
शनि	सम	अधिशत्रु	सम	अधिमित्र	शत्रु	अधिमित्र	--	सम	सम
राहू	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिमित्र	मित्र	सम	सम	--	अधिशत्रु
केतु	सम	सम	अधिमित्र	मित्र	शत्रु	अधिमित्र	सम	अधिशत्रु	--

SUNITA PAL

षडबल

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	53.60	59.55	16.99	7.36	6.89	36.37	8.05
सप्तवर्गीय बल	82.50	108.75	105.00	135.00	114.38	108.75	125.63
ओजा यूगम बल	30.00	30.00	30.00	30.00	30.00	0.00	0.00
केंद्र बल	15.00	60.00	30.00	15.00	30.00	30.00	60.00
ट्रेष्काण बल	0.00	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00	15.00
स्थान बल	181.1	258.3	196.99	187.36	181.27	175.12	208.68
कुल दिक् बल	54.40	4.78	52.99	17.18	20.41	7.30	30.46
नाथ बल	54.70	5.30	5.30	60.00	54.70	54.70	5.30
पक्ष बल	59.18	118.37	59.18	59.18	0.82	0.82	59.18
त्रिभाग बल	60.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00	0.00
अब्दा बल	0.00	0.00	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00
मास बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	30.00	0.00
दिवा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45.00
होरा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00
अयन बल	106.77	5.81	59.96	44.88	0.56	59.90	2.62
युद्धा बल	0.00	0.00	1.87	0.00	0.00	-1.87	0.00
कुल काल बल	280.65	129.48	126.31	179.06	116.08	203.55	112.10
कुल चेष्टा बल	106.77	118.37	15.19	14.22	44.84	46.94	5.62
कुल नैसर्गिक बल	60.00	51.43	17.14	25.71	34.29	42.86	8.57
कुल द्विगुण बल	11.28	10.67	5.95	8.51	-36.74	5.96	6.66
कुल षडबल	694.20	573.03	414.57	432.04	360.15	481.73	372.09
षडबल षडबल (रूपा)	11.57	9.55	6.91	7.20	6.00	8.03	6.20
कमी आवश्यकता	5	6	5	7	6.5	5.5	5
रेषो	2.31	1.59	1.38	1.03	0.92	1.46	1.24
तौलनिक स्थिति	1	2	4	6	7	3	5

इष्ट-कष्ट फल

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	50.49	6.98	16.06	10.23	17.58	41.32	6.73
कष्ट फल	8.92	5.16	43.90	49.09	28.38	17.57	53.15

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपती बल	694.20	432.00	481.70	414.60	360.20	372.10	372.10	360.20	414.60	481.70	432.00	573.00
भावाद्विगुण बल	30.00	50.00	40.00	30.00	10.00	40.00	0.00	20.00	50.00	60.00	40.00	10.00
भावदृष्टि बल	50.90	13.40	39.60	-0.80	-4.00	-10.80	-2.20	44.40	58.50	7.80	78.90	54.40
कुल भाव बल	775.10	495.40	561.30	443.80	366.20	401.30	369.90	424.60	523.10	549.50	550.90	637.40
भाव बल (रूपा)	12.9	8.3	9.4	7.4	6.1	6.7	6.2	7.1	8.7	9.2	9.2	10.6
तौलनिक स्थिति	1	7	3	8	12	10	11	9	6	5	4	2

शुभाशुभ ज्ञान

शुभाशुभ ज्ञान आपको अपने मित्र और शत्रु का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक और मित्रांक से मित्रता और साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभग्रहों की दशाएं लाभदायक होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न भाग्य धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होता है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारंभ करने से उसमें इच्छित सफलता मिलती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शांति तथा सफलता प्राप्त होती है। शुभ पदार्थ, अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभदिशा में करने से अधिक लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभ ज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभ फलदायक सिद्धि हो सकता है।

मूलांक	_____	: 4
भाग्यांक	_____	: 1
मित्रांक	_____	: 5, 6, 8
शुभ वर्ष	_____	: 22, 31, 40, 49, 58
शुभ दिन	_____	: मंगलवार, सोमवार, गुरुवार
शुभ ग्रह	_____	: मंगल, चंद्र, गुरु
अशुभ ग्रह	_____	: बुध, शनि
मित्र राशि	_____	: मकर, कुंभ
मित्र लग्न	_____	: वृश्चिक, कुंभ, मेष, मिथुन
शुभ रत्न	_____	: माणिक्य
शुभ उपरत्न	_____	: रक्त, मणि, लाल तुर्मली
भाग्य रत्न	_____	: मूंगा
अनुकूल देवता	_____	: विष्णू
शुभ धातु	_____	: ताम्र
शुभ रंग	_____	: लाल
दिशा	_____	: पूर्व
समय	_____	: सूर्योदय
पदार्थ	_____	: गुड़, केसर, मूंगा, रक्तचंदन
अन्न	_____	: गेहूं
द्रव्य	_____	: घी

नव ग्रह रत्न धारण विधि

रत्न का पूर्ण शुभ फल पाने के लिये इसे शुक्ल पक्ष में निर्दिष्ट वार एवं समय में ही धारण करने में रत्न और भी प्रभावशाली हो जाता है। इसे निम्नलिखित तालिका में दिए गए भार या उससे अधिक भार जो कि सवाया हो एवं पौना ना हो जैसे 4-1/4 रत्ती आदि, उसे निर्दिष्ट धातु में इस प्रकार जड़वाएँ कि रत्न नीचे से अँगुली को स्पर्श करे।

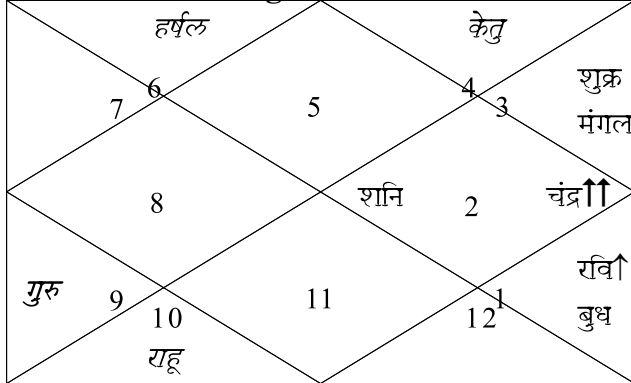
रत्न धारण करते समय अपने इष्ट देव का श्रद्धा पूर्वक स्मरण करना चाहिए। तत्पश्चात् अंगूठी को कच्चे दूध एवं गंगाजल में धोकर शुद्ध करना चाहिए और धूप दीप जलाकर सम्बन्धित ग्रह के मंत्र का कम से कम एक माला जाप करना चाहिए। फिर अंगूठी को धूप देकर निर्दिष्ट अंगुली में दाएं हाथ में धारण करना चाहिए। अंगूठी धारण के पश्चात् यथा शक्ति संबंधित ग्रह के पदार्थों का दान करना चाहिए। यदि आप अन्य कोई रत्न पहने हुए हैं तो यह ध्यान रखें कि परस्पर विरोधी रत्न एक साथ न पहनें। यह आप निम्नलिखित तालिका से देख सकते हैं। उपरोक्त विधि से रत्न के शुभ फल प्रचर मात्रा में शीघ्र मिल जाते हैं।

रत्न	ग्रह	भार	धातु	अंगुली	वार	समय	नक्षत्र
माणिक्य	रवि	3 रत्ती	सोने	अनामिका	रविवार	प्रातः	कृतिका, उ. फा., उ. षा.
मोती	चंद्र	3 रत्ती	चांदी	कनिष्ठिका	सोमवार	प्रातः	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6 रत्ती	चांदी	अनामिका	मंगलवार	प्रातः	मृग, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4 रत्ती	सोने	कनिष्ठिका	बुधवार	प्रातः	अश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4 रत्ती	सोने	तर्जनी	गुरुवार	प्रातः	पुनर्वसु, विशाखा, पू. भाद्र.
हीरा	शुक्र	1/4 रत्ती	प्लेटिनम	कनिष्ठिका	शुक्रवार	प्रातः	भरणी, पू. भा., पू. षा.,
नीलम	शनि	4 रत्ती	पंचधातु	मध्यमा	शनिवार	संध्या	पुष्य, अनुराधा, उ. भाद्र.
गोमेद	राहू	5 रत्ती	अष्टधातु	मध्यमा	शनिवार	सूर्यास्त	आर्द्रा, स्वाती, शततारका
लहसुनिया	केतु	6 रत्ती	चांदी	अनामिका	गुरुवार	सूर्यास्त	अश्विनी, मघा, मूळ

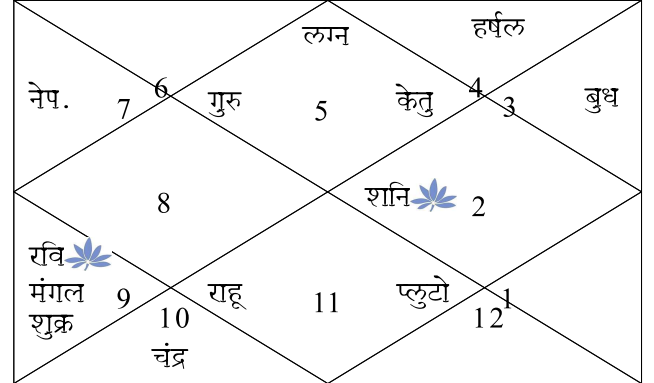
रत्न	मंत्र	निष्प रत्न	दान पदार्थ
माणिक्य	ॐ घृणिः सूर्याय नमः	हीरा, नीलम गोमेद	गँहु, गुल, चंदन, लाल वस्त्र
मोती	ॐ सों सोमाय नमः	गोमेद	चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र
मूंगा	ॐ अं अंगारकाय नमः	हारी, गोमेज, नीलम	गँहु, गुल, तांबा, लाल वस्त्र
पन्ना	ॐ बुं बुधाय नमः	---	मूंगा, कस्तूरी, कांसा, हरित वस्त्र
पुखराज	ॐ बृहस्पतये नमः	हीरा, नीलम	हरभरेका दाल, हलदी, पीला वस्त्र
हीरा	ॐ शुं शुक्राय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र
नीलम	ॐ शं शनैश्वराय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	उडद, काले तिल, तेल, काळा वस्त्र
गोमेद	ॐ रां राहवे नमः	माणिक्य, मोती, मूंगा	तिल, तेल कम्बल, भूरा वस्त्र
लहसुनिया	ॐ कें केतवे नमः	---	सप्तधान्य, नारियल, धूम्र वस्त्र

Lagna Analysis - Specific

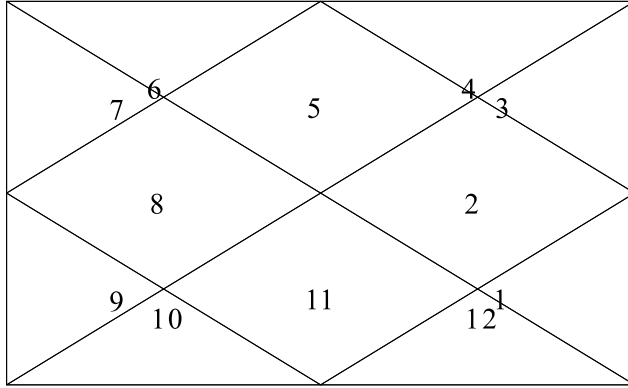
Lagna Chart



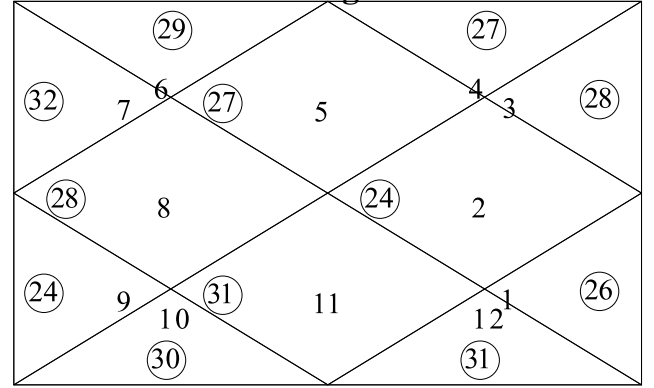
Navamsa Chart



Effective Chalit Chart



AshtakVarga Chart



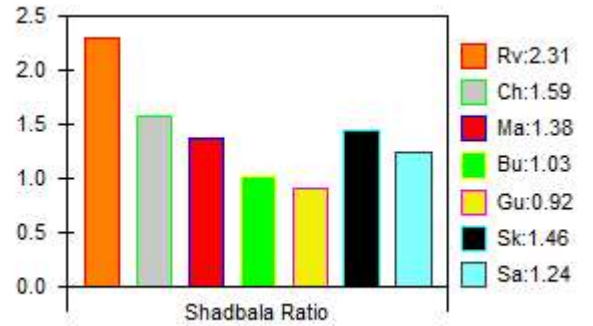
Vimshotari Dasa

महादशा

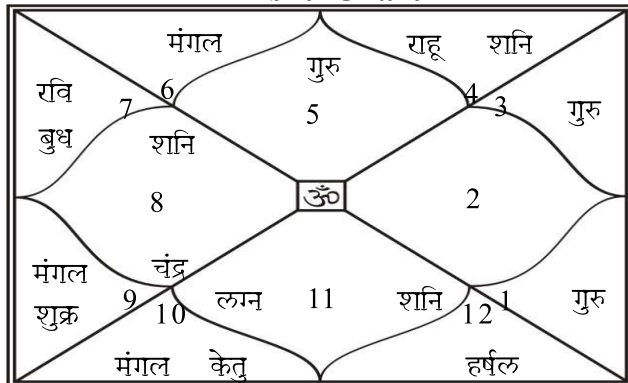
अन्तर दशा

रवि	16/02/1976	गुरु	05/04/2013
चंद्र	16/02/1986	शनि	18/10/2015
मंगल	16/02/1993	बुध	23/01/2018
राहू	16/02/2011	केतु	30/12/2018
गुरु	16/02/2027	शुक्र	30/08/2021
शनि	16/02/2046	रवि	18/06/2022
बुध	16/02/2063	चंद्र	18/10/2023
केतु	16/02/2070	मंगल	23/09/2024
शुक्र	16/02/2090	राहू	16/02/2027

Planet's Relative Strength



Drishhti Chart



Planetary Longitudes

ग्रह	राशी अंश	नक्षत्र
लग्न	सिंह 15:33:04	पूर्वा-फा. 1
रवि	मेष 29:11:20	कृत्तिका 1
चंद्र	वृषभ 01:38:26	कृत्तिका 2
मंगल	मिथुन 07:02:01	आर्द्रा 1
बुध	मेष 07:04:54	अश्विनी 3
गुरु (व)	धनु 14:19:43	पू.षाढा 1
शुक्र	मिथुन 07:53:38	आर्द्रा 1
शनि	वृषभ 14:09:42	रोहिणी 2
राहू (व)	मकर 06:05:33	उ.षाढा 3
केतु (व)	कर्क 06:05:33	पुष्य 1

SUNITA PAL

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा॥

महादशा - रवि : 13/05/1972 - 16/02/1976

-	-	-		-	-	-		-	-	-	* गुरु	23/12/1972
-	-	-		-	-	-		-	-	-	-	-
-	-	-		-	-	-		-	-	-	S- शनि	30/05/1972
-	-	-		-	-	-		-	-	-	S- बुध	10/07/1972
-	-	-		-	-	-		-	-	-	S- केतु	27/07/1972
-	-	-		-	-	-		-	-	-	S- शुक्र	14/09/1972
-	-	-		-	-	-		-	-	-	S* रवि	29/09/1972
-	-	-		-	-	-		-	-	-	S- चंद्र	23/10/1972
-	-	-		-	-	-		-	-	-	S* मंगल	09/11/1972
-	-	-		-	-	-		-	-	-	S+ राहू	23/12/1972

* शनि	05/12/1973	* बुध	11/10/1974	* केतु	16/02/1975	* शुक्र	16/02/1976
S शनि	16/02/1973	S बुध	18/01/1974	S केतु	19/10/1974	S शुक्र	18/04/1975
S+ बुध	06/04/1973	S+ केतु	05/02/1974	S++शुक्र	09/11/1974	S* रवि	06/05/1975
S* केतु	26/04/1973	S++शुक्र	29/03/1974	S* रवि	16/11/1974	S+ चंद्र	06/06/1975
S++शुक्र	23/06/1973	S- रवि	13/04/1974	S* चंद्र	26/11/1974	S- मंगल	27/06/1975
S* रवि	10/07/1973	S++चंद्र	09/05/1974	S++मंगल	04/12/1974	* राहू	21/08/1975
S- चंद्र	08/08/1973	S* मंगल	27/05/1974	S-- राहू	23/12/1974	-- गुरु	09/10/1975
S+ मंगल	29/08/1973	S++राहू	13/07/1974	S- गुरु	09/01/1975	++ शनि	05/12/1975
S* राहू	20/10/1973	S-- गुरु	23/08/1974	S* शनि	29/01/1975	++ बुध	26/01/1976
S- गुरु	05/12/1973	S++शनि	11/10/1974	S+ बुध	16/02/1975	++ केतु	16/02/1976

महादशा - चंद्र : 16/02/1976 - 16/02/1986

चंद्र	17/12/1976	++	मंगल	18/07/1977	--	रहू	17/01/1979	*	गुरु	18/05/1980	--	शनि	17/12/1981	
चंद्र	13/03/1976		मंगल	29/12/1976	s	रहू	08/10/1977	s	गुरु	23/03/1979		शनि	17/08/1980	
++	मंगल	31/03/1976	--	रहू	30/01/1977	s+	गुरु	20/12/1977	s-	शनि	08/06/1979	+	बुध	07/11/1980
--	रहू	15/05/1976	*	गुरु	28/02/1977	s*	शनि	17/03/1978	s-	बुध	16/08/1979	*	केतु	11/12/1980
*	गुरु	25/06/1976	*	शनि	02/04/1977	s++	बुध	02/06/1978	s-	केतु	13/09/1979	++	शुक्र	17/03/1981
--	शनि	12/08/1976	+	बुध	03/05/1977	s--	केतु	04/07/1978	-	शुक्र	03/12/1979	*	रवि	15/04/1981
*	बुध	24/09/1976	++	केतु	15/05/1977	s*	शुक्र	04/10/1978	*	रवि	28/12/1979	-	चंद्र	02/06/1981
*	केतु	12/10/1976	-	शुक्र	19/06/1977	s*	रवि	31/10/1978	-	चंद्र	06/02/1980	+	मंगल	06/07/1981
*	शुक्र	02/12/1976	++	रवि	30/06/1977	s--	चंद्र	16/12/1978	*	मंगल	06/03/1980	*	रहू	01/10/1981
++	रवि	17/12/1976	+	चंद्र	18/07/1977	s--	मंगल	17/01/1979	s+	रहू	18/05/1980	-	गुरु	17/12/1981

* बुध	19/05/1983	* केतु	18/12/1983	* शुक्र	17/08/1985	++ रवि	16/02/1986
बुध	28/02/1982	केतु	31/05/1983	शुक्र	28/03/1984	रवि	26/08/1985
+ केतु	31/03/1982	++ शुक्र	05/07/1983	* रवि	27/04/1984	++ चंद्र	11/09/1985
++ शुक्र	25/06/1982	* रवि	16/07/1983	+ चंद्र	17/06/1984	++ मंगल	21/09/1985
- रवि	21/07/1982	* चंद्र	03/08/1983	- मंगल	23/07/1984	* राहू	19/10/1985
++ चंद्र	02/09/1982	++ मंगल	15/08/1983	* राहू	22/10/1984	* गुरु	12/11/1985
* मंगल	02/10/1982	-- राहू	16/09/1983	-- गुरु	11/01/1985	* शनि	11/12/1985
++ राहू	19/12/1982	- गुरु	15/10/1983	++ शनि	18/04/1985	* बुध	06/01/1986
-- गुरु	26/02/1983	* शनि	17/11/1983	++ बुध	13/07/1985	* केतु	17/01/1986
++ शनि	19/05/1983	+ बुध	18/12/1983	++ केतु	17/08/1985	* शुक्र	16/02/1986

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - मंगल : 16/02/1986 - 16/02/1993

मंगल 15/07/1986	-- राहू 03/08/1987	* गुरु 09/07/1988	* शनि 17/08/1989	+ बुध 15/08/1990
मंगल 25/02/1986	राहू 11/09/1986	गुरु 17/09/1987	s शनि 11/09/1988	s बुध 08/10/1989
-- राहू 19/03/1986	+ गुरु 01/11/1986	- शनि 10/11/1987	s+ बुध 07/11/1988	s+ केतु 29/10/1989
* गुरु 08/04/1986	* शनि 31/12/1986	s- बुध 28/12/1987	s* केतु 01/12/1988	s++शुक्र 28/12/1989
* शनि 02/05/1986	++ बुध 24/02/1987	s- केतु 17/01/1988	s++शुक्र 06/02/1989	s- रवि 15/01/1990
+ बुध 23/05/1986	-- केतु 18/03/1987	s- शुक्र 14/03/1988	s* रवि 26/02/1989	s++चंद्र 14/02/1990
++ केतु 31/05/1986	* शुक्र 21/05/1987	s* रवि 31/03/1988	s- चंद्र 01/04/1989	s* मंगल 08/03/1990
- शुक्र 25/06/1986	* रवि 09/06/1987	s- चंद्र 29/04/1988	s+ मंगल 25/04/1989	++ राहू 01/05/1990
++ रवि 03/07/1986	-- चंद्र 11/07/1987	s* मंगल 18/05/1988	s* राहू 24/06/1989	-- गुरु 18/06/1990
+ चंद्र 15/07/1986	-- मंगल 03/08/1987	s+ राहू 09/07/1988	s- गुरु 17/08/1989	s++शनि 15/08/1990
++ केतु 11/01/1991	- शुक्र 12/03/1992	++ रवि 18/07/1992	+ चंद्र 16/02/1993	
s केतु 23/08/1990	शुक्र 23/03/1991	रवि 18/03/1992	चंद्र 04/08/1992	
s++शुक्र 17/09/1990	* रवि 13/04/1991	++ चंद्र 29/03/1992	++ मंगल 17/08/1992	
s* रवि 25/09/1990	+ चंद्र 19/05/1991	++ मंगल 05/04/1992	-- राहू 18/09/1992	
s* चंद्र 07/10/1990	- मंगल 12/06/1991	* राहू 24/04/1992	* गुरु 16/10/1992	
s++मंगल 16/10/1990	* राहू 15/08/1991	* गुरु 12/05/1992	-- शनि 19/11/1992	
s-- राहू 07/11/1990	-- गुरु 11/10/1991	* शनि 01/06/1992	* बुध 19/12/1992	
s- गुरु 27/11/1990	++ शनि 18/12/1991	* बुध 19/06/1992	* केतु 01/01/1993	
* शनि 21/12/1990	++ बुध 16/02/1992	* केतु 26/06/1992	* शुक्र 05/02/1993	
+ बुध 11/01/1991	++ केतु 12/03/1992	* शुक्र 18/07/1992	++ रवि 16/02/1993	

महादशा - राहू : 16/02/1993 - 16/02/2011

राहू 30/10/1995	+ गुरु 24/03/1998	* शनि 28/01/2001	++ बुध 18/08/2003	-- केतु 04/09/2004
राहू 14/07/1993	गुरु 24/02/1996	S शनि 05/09/1998	S बुध 09/06/2001	S केतु 09/09/2003
+ गुरु 22/11/1993	- शनि 12/07/1996	S+ बुध 31/01/1999	S+ केतु 03/08/2001	S++शुक्र 12/11/2003
* शनि 27/04/1994	- बुध 13/11/1996	S* केतु 02/04/1999	S++शुक्र 05/01/2002	S* रवि 01/12/2003
++ बुध 14/09/1994	- केतु 03/01/1997	S++शुक्र 22/09/1999	S- रवि 21/02/2002	S* चंद्र 02/01/2004
-- केतु 11/11/1994	- शुक्र 29/05/1997	S* रवि 13/11/1999	S++चंद्र 09/05/2002	S++मंगल 25/01/2004
* शुक्र 24/04/1995	* रवि 12/07/1997	S- चंद्र 08/02/2000	S* मंगल 02/07/2002	S-- राहू 22/03/2004
* रवि 12/06/1995	- चंद्र 23/09/1997	S+ मंगल 09/04/2000	S++राहू 19/11/2002	S- गुरु 12/05/2004
-- चंद्र 02/09/1995	* मंगल 13/11/1997	S* राहू 12/09/2000	S-- गुरु 23/03/2003	S* शनि 12/07/2004
-- मंगल 30/10/1995	+ राहू 24/03/1998	S- गुरु 28/01/2001	S++शनि 18/08/2003	S+ बुध 04/09/2004
* शुक्र 05/09/2007	* रवि 30/07/2008	-- चंद्र 29/01/2010	-- मंगल 16/02/2011	
S शुक्र 06/03/2005	s रवि 22/09/2007	s चंद्र 13/09/2008	मंगल 20/02/2010	
S* रवि 30/04/2005	s++चंद्र 19/10/2007	s++मंगल 15/10/2008	-- राहू 19/04/2010	
+ चंद्र 30/07/2005	s++मंगल 07/11/2007	s-- राहू 06/01/2009	* गुरु 09/06/2010	
- मंगल 02/10/2005	s* राहू 26/12/2007	s* गुरु 20/03/2009	* शनि 08/08/2010	
* राहू 15/03/2006	s* गुरु 08/02/2008	s-- शनि 14/06/2009	+ बुध 02/10/2010	
-- गुरु 08/08/2006	s* शनि 31/03/2008	s* बुध 31/08/2009	++ केतु 24/10/2010	
++ शनि 29/01/2007	s* बुध 17/05/2008	* केतु 02/10/2009	- शुक्र 27/12/2010	
++ बुध 03/07/2007	s* केतु 05/06/2008	* शुक्र 01/01/2010	++ रवि 15/01/2011	
s++केतु 05/09/2007	s* शुक्र 30/07/2008	++ रवि 29/01/2010	+ चंद्र 16/02/2011	

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - गुरु : 16/02/2011 - 16/02/2027

गुरु 05/04/2013	- शनि 18/10/2015	- बुध 23/01/2018	- केतु 30/12/2018	- शुक्र 30/08/2021
गुरु 31/05/2011	शनि 30/08/2013	बुध 12/02/2016	s केतु 12/02/2018	s शुक्र 10/06/2019
- शनि 01/10/2011	+ बुध 08/01/2014	+ केतु 31/03/2016	s++शुक्र 09/04/2018	s* रवि 29/07/2019
- बुध 20/01/2012	* केतु 03/03/2014	++ शुक्र 16/08/2016	s* रवि 26/04/2018	s+ चंद्र 18/10/2019
- केतु 05/03/2012	++ शुक्र 04/08/2014	- रवि 27/09/2016	s* चंद्र 25/05/2018	s- मंगल 14/12/2019
- शुक्र 13/07/2012	* रवि 19/09/2014	++ चंद्र 05/12/2016	s++मंगल 14/06/2018	* राहू 08/05/2020
* रवि 21/08/2012	- चंद्र 06/12/2014	* मंगल 22/01/2017	s-- राहू 04/08/2018	-- गुरु 14/09/2020
- चंद्र 25/10/2012	+ मंगल 29/01/2015	s++राहू 26/05/2017	s- गुरु 18/09/2018	++ शनि 16/02/2021
* मंगल 10/12/2012	* राहू 16/06/2015	-- गुरु 14/09/2017	s* शनि 11/11/2018	++ बुध 04/07/2021
+ राहू 05/04/2013	- गुरु 18/10/2015	s++शनि 23/01/2018	s+ बुध 30/12/2018	++ केतु 30/08/2021
* रवि 18/06/2022	- चंद्र 18/10/2023	* मंगल 23/09/2024	+ राहू 16/02/2027	
रवि 13/09/2021	चंद्र 28/07/2022	मंगल 07/11/2023	राहू 01/02/2025	
++ चंद्र 07/10/2021	++ मंगल 26/08/2022	-- राहू 28/12/2023	+ गुरु 29/05/2025	
++ मंगल 25/10/2021	-- राहू 07/11/2022	* गुरु 11/02/2024	* शनि 15/10/2025	
* राहू 07/12/2021	* गुरु 11/01/2023	* शनि 05/04/2024	++ बुध 16/02/2026	
* गुरु 15/01/2022	-- शनि 29/03/2023	+ बुध 23/05/2024	-- केतु 08/04/2026	
* शनि 03/03/2022	* बुध 06/06/2023	++ केतु 12/06/2024	* शुक्र 01/09/2026	
* बुध 13/04/2022	* केतु 04/07/2023	- शुक्र 08/08/2024	* रवि 15/10/2026	
* केतु 30/04/2022	* शुक्र 23/09/2023	++ रवि 25/08/2024	-- चंद्र 27/12/2026	
* शुक्र 18/06/2022	++ रवि 18/10/2023	+ चंद्र 23/09/2024	-- मंगल 16/02/2027	

महादशा - शनि : 16/02/2027 - 16/02/2046

शनि 19/02/2030	+ बुध 29/10/2032	* केतु 08/12/2033	++ शुक्र 07/02/2037	* रवि 20/01/2038
S शनि 09/08/2027	S बुध 08/07/2030	S केतु 22/11/2032	S शुक्र 19/06/2034	s रवि 24/02/2037
+ बुध 12/01/2028	S+ केतु 04/09/2030	S++शुक्र 28/01/2033	* रवि 16/08/2034	s++चंद्र 25/03/2037
S* केतु 16/03/2028	S++शुक्र 14/02/2031	S* रवि 17/02/2033	+ चंद्र 20/11/2034	s++मंगल 14/04/2037
S++शुक्र 15/09/2028	S- रवि 05/04/2031	S* चंद्र 23/03/2033	- मंगल 26/01/2035	s* राहू 05/06/2037
S* रवि 09/11/2028	S++चंद्र 26/06/2031	S++मंगल 16/04/2033	* राहू 19/07/2035	s* गुरु 21/07/2037
S- चंद्र 09/02/2029	S* मंगल 22/08/2031	S-- राहू 16/06/2033	-- गुरु 20/12/2035	s* शनि 14/09/2037
S+ मंगल 14/04/2029	S++राहू 16/01/2032	S- गुरु 09/08/2033	++ शनि 20/06/2036	s* बुध 02/11/2037
S* राहू 26/09/2029	S-- गुरु 26/05/2032	S* शनि 12/10/2033	s++बुध 01/12/2036	s* केतु 23/11/2037
S- गुरु 19/02/2030	S++शनि 29/10/2032	S+ बुध 08/12/2033	s++केतु 07/02/2037	s* शुक्र 20/01/2038
- चंद्र 21/08/2039	+ मंगल 29/09/2040	* राहू 06/08/2043	- गुरु 16/02/2046	
s चंद्र 09/03/2038	मंगल 13/09/2039	राहू 04/03/2041	गुरु 07/12/2043	
s++मंगल 11/04/2038	-- राहू 13/11/2039	+ गुरु 21/07/2041	- शनि 02/05/2044	
s-- राहू 07/07/2038	* गुरु 06/01/2040	* शनि 01/01/2042	- बुध 10/09/2044	
s* गुरु 22/09/2038	* शनि 10/03/2040	++ बुध 29/05/2042	- केतु 03/11/2044	
-- शनि 23/12/2038	+ बुध 07/05/2040	-- केतु 29/07/2042	- शुक्र 06/04/2045	
* बुध 15/03/2039	++ केतु 30/05/2040	* शुक्र 18/01/2043	* रवि 22/05/2045	
s* केतु 18/04/2039	- शुक्र 06/08/2040	* रवि 11/03/2043	- चंद्र 07/08/2045	
* शुक्र 23/07/2039	++ रवि 26/08/2040	-- चंद्र 06/06/2043	* मंगल 30/09/2045	
++ रवि 21/08/2039	+ चंद्र 29/09/2040	-- मंगल 06/08/2043	+ राहू 16/02/2046	

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - बुध : 16/02/2046 - 16/02/2063

बुध 15/07/2048	+ केतु 12/07/2049	++ शुक्र 12/05/2052	- रवि 18/03/2053	++ चंद्र 18/08/2054
बुध 21/06/2046	s केतु 05/08/2048	शुक्र 31/12/2049	रवि 27/05/2052	चंद्र 30/04/2053
+ केतु 11/08/2046	s++शुक्र 04/10/2048	* रवि 21/02/2050	++ चंद्र 22/06/2052	++ मंगल 30/05/2053
s++शुक्र 05/01/2047	s* रवि 22/10/2048	+ चंद्र 18/05/2050	++ मंगल 10/07/2052	-- राहू 16/08/2053
s- रवि 17/02/2047	s* चंद्र 21/11/2048	- मंगल 18/07/2050	* राहू 26/08/2052	* गुरु 24/10/2053
s++चंद्र 02/05/2047	s++मंगल 13/12/2048	* राहू 20/12/2050	* गुरु 06/10/2052	-- शनि 14/01/2054
s* मंगल 22/06/2047	s-- राहू 05/02/2049	-- गुरु 07/05/2051	* शनि 24/11/2052	* बुध 28/03/2054
s++राहू 01/11/2047	- गुरु 25/03/2049	++ शनि 18/10/2051	* बुध 07/01/2053	* केतु 27/04/2054
s-- गुरु 26/02/2048	* शनि 22/05/2049	++ बुध 12/03/2052	* केतु 25/01/2053	* शुक्र 23/07/2054
s++शनि 15/07/2048	s+ बुध 12/07/2049	++ केतु 12/05/2052	* शुक्र 18/03/2053	++ रवि 18/08/2054
* मंगल 15/08/2055	++ राहू 03/03/2058	-- गुरु 08/06/2060	++ शनि 16/02/2063	
मंगल 08/09/2054	राहू 02/01/2056	S गुरु 22/06/2058	S शनि 11/11/2060	
-- राहू 01/11/2054	+ गुरु 05/05/2056	S- शनि 31/10/2058	S+ बुध 30/03/2061	
* गुरु 19/12/2054	* शनि 29/09/2056	S- बुध 25/02/2059	S* केतु 26/05/2061	
* शनि 15/02/2055	++ बुध 08/02/2057	S- केतु 14/04/2059	S++शुक्र 06/11/2061	
+ बुध 07/04/2055	-- केतु 03/04/2057	S- शुक्र 30/08/2059	S* रवि 25/12/2061	
++ केतु 28/04/2055	S* शुक्र 06/09/2057	S* रवि 11/10/2059	S- चंद्र 17/03/2062	
- शुक्र 28/06/2055	S* रवि 22/10/2057	S- चंद्र 19/12/2059	S+ मंगल 14/05/2062	
++ रवि 16/07/2055	S-- चंद्र 08/01/2058	S* मंगल 05/02/2060	S* राहू 08/10/2062	
+ चंद्र 15/08/2055	S-- मंगल 03/03/2058	S+ राहू 08/06/2060	S- गुरु 16/02/2063	

महादशा - केतु : 16/02/2063 - 16/02/2070

केतु 15/07/2063	++ शुक्र 13/09/2064	* रवि 19/01/2065	* चंद्र 20/08/2065	++ मंगल 17/01/2066
S केतु 25/02/2063	शुक्र 24/09/2063	रवि 20/09/2064	चंद्र 06/02/2065	मंगल 29/08/2065
S++शुक्र 22/03/2063	* रवि 16/10/2063	++ चंद्र 01/10/2064	++ मंगल 19/02/2065	-- राहू 20/09/2065
S* रवि 29/03/2063	+ चंद्र 20/11/2063	++ मंगल 08/10/2064	-- राहू 22/03/2065	* गुरु 10/10/2065
S* चंद्र 11/04/2063	- मंगल 15/12/2063	* राहू 27/10/2064	* गुरु 20/04/2065	s* शनि 03/11/2065
S+मंगल 19/04/2063	S* राहू 17/02/2064	* गुरु 13/11/2064	-- शनि 24/05/2065	s+ बुध 24/11/2065
S-- राहू 12/05/2063	S-- गुरु 14/04/2064	* शनि 03/12/2064	* बुध 23/06/2065	s++केतु 03/12/2065
S- गुरु 01/06/2063	++ शनि 20/06/2064	* बुध 22/12/2064	* केतु 05/07/2065	s- शुक्र 28/12/2065
S* शनि 24/06/2063	++ बुध 20/08/2064	* केतु 29/12/2064	* शुक्र 10/08/2065	s++रवि 04/01/2066
S+ बुध 15/07/2063	++ केतु 13/09/2064	* शुक्र 19/01/2065	++ रवि 20/08/2065	s+ चंद्र 17/01/2066
-- राहू 04/02/2067	- गुरु 11/01/2068	* शनि 19/02/2069	+ बुध 16/02/2070	
राहू 15/03/2066	s गुरु 21/03/2067	s शनि 15/03/2068	बुध 11/04/2069	
+ गुरु 05/05/2066	s- शनि 14/05/2067	s+ बुध 11/05/2068	+ केतु 02/05/2069	
s* शनि 05/07/2066	s- बुध 02/07/2067	s* केतु 04/06/2068	++ शुक्र 02/07/2069	
s++बुध 28/08/2066	s- केतु 22/07/2067	s++शुक्र 10/08/2068	- रवि 20/07/2069	
s-- केतु 20/09/2066	s- शुक्र 16/09/2067	* रवि 31/08/2068	++ चंद्र 19/08/2069	
s* शुक्र 23/11/2066	s* रवि 04/10/2067	- चंद्र 03/10/2068	* मंगल 09/09/2069	
s* रवि 12/12/2066	s- चंद्र 01/11/2067	+ मंगल 27/10/2068	++ राहू 02/11/2069	
s-- चंद्र 13/01/2067	s* मंगल 21/11/2067	* राहू 27/12/2068	-- गुरु 21/12/2069	
s-- मंगल 04/02/2067	s+ राहू 11/01/2068	- गुरु 19/02/2069	++ शनि 16/02/2070	

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - शुक्र : 16/02/2070 - 16/02/2090

शुक्र 17/06/2073	* रवि 18/06/2074	+ चंद्र 16/02/2076	- मंगल 18/04/2077	* राहू 17/04/2080
शुक्र 07/09/2070	रवि 06/07/2073	चंद्र 07/08/2074	s मंगल 12/03/2076	s राहू 29/09/2077
* रवि 07/11/2070	++ चंद्र 05/08/2073	++ मंगल 12/09/2074	s-- राहू 15/05/2076	s+ गुरु 22/02/2078
+ चंद्र 16/02/2071	++ मंगल 26/08/2073	-- राहू 12/12/2074	s* गुरु 11/07/2076	s* शनि 15/08/2078
- मंगल 28/04/2071	* राहू 20/10/2073	* गुरु 03/03/2075	* शनि 17/09/2076	++ बुध 17/01/2079
* राहू 28/10/2071	* गुरु 08/12/2073	-- शनि 08/06/2075	s+ बुध 16/11/2076	-- केतु 22/03/2079
-- गुरु 07/04/2072	* शनि 04/02/2074	* बुध 02/09/2075	s++केतु 11/12/2076	* शुक्र 20/09/2079
++ शनि 17/10/2072	* बुध 28/03/2074	* केतु 08/10/2075	s- शुक्र 20/02/2077	* रवि 14/11/2079
++ बुध 07/04/2073	* केतु 18/04/2074	s* शुक्र 17/01/2076	s++रवि 13/03/2077	-- चंद्र 13/02/2080
++ केतु 17/06/2073	* शुक्र 18/06/2074	s++रवि 16/02/2076	s+ चंद्र 18/04/2077	-- मंगल 17/04/2080
-- गुरु 17/12/2082	++ शनि 16/02/2086	++ बुध 17/12/2088	++ केतु 16/02/2090	
गुरु 25/08/2080	शनि 18/06/2083	S बुध 13/07/2086	S केतु 11/01/2089	
- शनि 26/01/2081	+ बुध 29/11/2083	S+ केतु 11/09/2086	S++शुक्र 23/03/2089	
- बुध 13/06/2081	* केतु 05/02/2084	S++शुक्र 02/03/2087	S* रवि 13/04/2089	
- केतु 09/08/2081	++ शुक्र 16/08/2084	S- रवि 23/04/2087	S* चंद्र 19/05/2089	
- शुक्र 19/01/2082	* रवि 12/10/2084	S++चंद्र 18/07/2087	S++मंगल 12/06/2089	
* रवि 08/03/2082	- चंद्र 17/01/2085	S* मंगल 17/09/2087	S-- राहू 15/08/2089	
- चंद्र 28/05/2082	+ मंगल 25/03/2085	S++राहू 19/02/2088	S- गुरु 11/10/2089	
* मंगल 24/07/2082	* राहू 15/09/2085	S-- गुरु 06/07/2088	S* शनि 18/12/2089	
+ राहू 17/12/2082	- गुरु 16/02/2086	S++शनि 17/12/2088	S+ बुध 16/02/2090	

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

SUNITA PAL

योगिनी दशा - 1

(भोग्य दशा : उत्का - 03 साल, 09 महीना, 03 दिन)

उत्का 13/05/1972 - 15/02/1976					सिद्धा 15/02/1976 - 14/02/1983				
संकटा	रा	13/05/1972	-	16/08/1973	सिद्धा	शु	15/02/1976	-	26/06/1977
मंगला	चं	16/08/1973	-	15/10/1973	संकटा	रा	26/06/1977	-	15/01/1979
पिंगला	र	15/10/1973	-	13/02/1974	मंगला	चं	15/01/1979	-	27/03/1979
धान्या	गु	13/02/1974	-	14/08/1974	पिंगला	र	27/03/1979	-	16/08/1979
भ्राम्हरी	मं	14/08/1974	-	14/04/1975	धान्या	गु	16/08/1979	-	16/03/1980
भद्रीका	बु	14/04/1975	-	15/02/1976	भ्राम्हरी	मं	16/03/1980	-	25/12/1980
					भद्रीका	बु	25/12/1980	-	15/12/1981
					उत्का	श	15/12/1981	-	14/02/1983
संकटा 14/02/1983 - 14/02/1991					मंगला 14/02/1991 - 14/02/1992				
संकटा	रा	14/02/1983	-	24/11/1984	मंगला	चं	14/02/1991	-	24/02/1991
मंगला	चं	24/11/1984	-	13/02/1985	पिंगला	र	24/02/1991	-	16/03/1991
पिंगला	र	13/02/1985	-	25/07/1985	धान्या	गु	16/03/1991	-	15/04/1991
धान्या	गु	25/07/1985	-	26/03/1986	भ्राम्हरी	मं	15/04/1991	-	26/05/1991
भ्राम्हरी	मं	26/03/1986	-	14/02/1987	भद्रीका	बु	26/05/1991	-	16/07/1991
भद्रीका	बु	14/02/1987	-	26/03/1988	उत्का	श	16/07/1991	-	15/09/1991
उत्का	श	26/03/1988	-	26/07/1989	सिद्धा	शु	15/09/1991	-	25/11/1991
सिद्धा	शु	26/07/1989	-	14/02/1991	संकटा	रा	25/11/1991	-	14/02/1992
पिंगला 14/02/1992 - 14/02/1994					धान्या 14/02/1994 - 14/02/1997				
पिंगला	र	14/02/1992	-	26/03/1992	धान्या	गु	14/02/1994	-	16/05/1994
धान्या	गु	26/03/1992	-	26/05/1992	भ्राम्हरी	मं	16/05/1994	-	15/09/1994
भ्राम्हरी	मं	26/05/1992	-	15/08/1992	भद्रीका	बु	15/09/1994	-	14/02/1995
भद्रीका	बु	15/08/1992	-	25/11/1992	उत्का	श	14/02/1995	-	16/08/1995
उत्का	श	25/11/1992	-	27/03/1993	सिद्धा	शु	16/08/1995	-	16/03/1996
सिद्धा	शु	27/03/1993	-	16/08/1993	संकटा	रा	16/03/1996	-	15/11/1996
संकटा	रा	16/08/1993	-	25/01/1994	मंगला	चं	15/11/1996	-	15/12/1996
मंगला	चं	25/01/1994	-	14/02/1994	पिंगला	र	15/12/1996	-	14/02/1997
भ्राम्हरी 14/02/1997 - 15/02/2001					भद्रीका 15/02/2001 - 15/02/2006				
भ्राम्हरी	मं	14/02/1997	-	26/07/1997	भद्रीका	बु	15/02/2001	-	27/10/2001
भद्रीका	बु	26/07/1997	-	14/02/1998	उत्का	श	27/10/2001	-	27/08/2002
उत्का	श	14/02/1998	-	16/10/1998	सिद्धा	शु	27/08/2002	-	17/08/2003
सिद्धा	शु	16/10/1998	-	27/07/1999	संकटा	रा	17/08/2003	-	26/09/2004
संकटा	रा	27/07/1999	-	16/06/2000	मंगला	चं	26/09/2004	-	16/11/2004
मंगला	चं	16/06/2000	-	27/07/2000	पिंगला	र	16/11/2004	-	25/02/2005
पिंगला	र	27/07/2000	-	16/10/2000	धान्या	गु	25/02/2005	-	27/07/2005
धान्या	गु	16/10/2000	-	15/02/2001	भ्राम्हरी	मं	27/07/2005	-	15/02/2006

योगिनी दशा - 2

उल्का 15/02/2006 - 15/02/2012

उल्का	श	15/02/2006	-	15/02/2007
सिद्धा	शु	15/02/2007	-	16/04/2008
संकटा	र	16/04/2008	-	16/08/2009
मंगला	चं	16/08/2009	-	16/10/2009
पिंगला	र	16/10/2009	-	15/02/2010
धान्या	गु	15/02/2010	-	17/08/2010
भ्राम्हरी	मं	17/08/2010	-	17/04/2011
भद्रीका	बु	17/04/2011	-	15/02/2012

सिद्धा 15/02/2012 - 14/02/2019

सिद्धा	शु	15/02/2012	-	26/06/2013
संकटा	र	26/06/2013	-	15/01/2015
मंगला	चं	15/01/2015	-	27/03/2015
पिंगला	र	27/03/2015	-	16/08/2015
धान्या	गु	16/08/2015	-	16/03/2016
भ्राम्हरी	मं	16/03/2016	-	25/12/2016
भद्रीका	बु	25/12/2016	-	15/12/2017
उल्का	श	15/12/2017	-	14/02/2019

संकटा 14/02/2019 - 14/02/2027

संकटा	र	14/02/2019	-	24/11/2020
मंगला	चं	24/11/2020	-	13/02/2021
पिंगला	र	13/02/2021	-	25/07/2021
धान्या	गु	25/07/2021	-	26/03/2022
भ्राम्हरी	मं	26/03/2022	-	14/02/2023
भद्रीका	बु	14/02/2023	-	26/03/2024
उल्का	श	26/03/2024	-	26/07/2025
सिद्धा	शु	26/07/2025	-	14/02/2027

मंगला 14/02/2027 - 14/02/2028

मंगला	चं	14/02/2027	-	24/02/2027
पिंगला	र	24/02/2027	-	16/03/2027
धान्या	गु	16/03/2027	-	15/04/2027
भ्राम्हरी	मं	15/04/2027	-	26/05/2027
भद्रीका	बु	26/05/2027	-	16/07/2027
उल्का	श	16/07/2027	-	15/09/2027
सिद्धा	शु	15/09/2027	-	25/11/2027
संकटा	र	25/11/2027	-	14/02/2028

पिंगला 14/02/2028 - 14/02/2030

पिंगला	र	14/02/2028	-	26/03/2028
धान्या	गु	26/03/2028	-	26/05/2028
भ्राम्हरी	मं	26/05/2028	-	15/08/2028
भद्रीका	बु	15/08/2028	-	25/11/2028
उल्का	श	25/11/2028	-	27/03/2029
सिद्धा	शु	27/03/2029	-	16/08/2029
संकटा	र	16/08/2029	-	25/01/2030
मंगला	चं	25/01/2030	-	14/02/2030

धान्या 14/02/2030 - 14/02/2033

धान्या	गु	14/02/2030	-	16/05/2030
भ्राम्हरी	मं	16/05/2030	-	15/09/2030
भद्रीका	बु	15/09/2030	-	14/02/2031
उल्का	श	14/02/2031	-	16/08/2031
सिद्धा	शु	16/08/2031	-	16/03/2032
संकटा	र	16/03/2032	-	15/11/2032
मंगला	चं	15/11/2032	-	15/12/2032
पिंगला	र	15/12/2032	-	14/02/2033

भ्राम्हरी 14/02/2033 - 15/02/2037

भ्राम्हरी	मं	14/02/2033	-	26/07/2033
भद्रीका	बु	26/07/2033	-	14/02/2034
उल्का	श	14/02/2034	-	16/10/2034
सिद्धा	शु	16/10/2034	-	27/07/2035
संकटा	र	27/07/2035	-	16/06/2036
मंगला	चं	16/06/2036	-	27/07/2036
पिंगला	र	27/07/2036	-	16/10/2036
धान्या	गु	16/10/2036	-	15/02/2037

भद्रीका 15/02/2037 - 15/02/2042

भद्रीका	बु	15/02/2037	-	27/10/2037
उल्का	श	27/10/2037	-	27/08/2038
सिद्धा	शु	27/08/2038	-	17/08/2039
संकटा	र	17/08/2039	-	26/09/2040
मंगला	चं	26/09/2040	-	16/11/2040
पिंगला	र	16/11/2040	-	25/02/2041
धान्या	गु	25/02/2041	-	27/07/2041
भ्राम्हरी	मं	27/07/2041	-	15/02/2042

योगिनी दशा - 3

उल्का 15/02/2042 - 15/02/2048

उल्का	श	15/02/2042	-	15/02/2043
सिद्धा	शु	15/02/2043	-	16/04/2044
संकटा	रा	16/04/2044	-	16/08/2045
मंगला	चं	16/08/2045	-	16/10/2045
पिंगला	र	16/10/2045	-	15/02/2046
धान्या	गु	15/02/2046	-	17/08/2046
भ्राम्हरी	मं	17/08/2046	-	17/04/2047
भद्रीका	बु	17/04/2047	-	15/02/2048

सिद्धा 15/02/2048 - 14/02/2055

सिद्धा	शु	15/02/2048	-	26/06/2049
संकटा	रा	26/06/2049	-	15/01/2051
मंगला	चं	15/01/2051	-	27/03/2051
पिंगला	र	27/03/2051	-	16/08/2051
धान्या	गु	16/08/2051	-	16/03/2052
भ्राम्हरी	मं	16/03/2052	-	25/12/2052
भद्रीका	बु	25/12/2052	-	15/12/2053
उल्का	श	15/12/2053	-	14/02/2055

संकटा 14/02/2055 - 14/02/2063

संकटा	रा	14/02/2055	-	24/11/2056
मंगला	चं	24/11/2056	-	13/02/2057
पिंगला	र	13/02/2057	-	25/07/2057
धान्या	गु	25/07/2057	-	26/03/2058
भ्राम्हरी	मं	26/03/2058	-	14/02/2059
भद्रीका	बु	14/02/2059	-	26/03/2060
उल्का	श	26/03/2060	-	26/07/2061
सिद्धा	शु	26/07/2061	-	14/02/2063

मंगला 14/02/2063 - 14/02/2064

मंगला	चं	14/02/2063	-	24/02/2063
पिंगला	र	24/02/2063	-	16/03/2063
धान्या	गु	16/03/2063	-	15/04/2063
भ्राम्हरी	मं	15/04/2063	-	26/05/2063
भद्रीका	बु	26/05/2063	-	16/07/2063
उल्का	श	16/07/2063	-	15/09/2063
सिद्धा	शु	15/09/2063	-	25/11/2063
संकटा	रा	25/11/2063	-	14/02/2064

पिंगला 14/02/2064 - 14/02/2066

पिंगला	र	14/02/2064	-	26/03/2064
धान्या	गु	26/03/2064	-	26/05/2064
भ्राम्हरी	मं	26/05/2064	-	15/08/2064
भद्रीका	बु	15/08/2064	-	25/11/2064
उल्का	श	25/11/2064	-	27/03/2065
सिद्धा	शु	27/03/2065	-	16/08/2065
संकटा	रा	16/08/2065	-	25/01/2066
मंगला	चं	25/01/2066	-	14/02/2066

धान्या 14/02/2066 - 14/02/2069

धान्या	गु	14/02/2066	-	16/05/2066
भ्राम्हरी	मं	16/05/2066	-	15/09/2066
भद्रीका	बु	15/09/2066	-	14/02/2067
उल्का	श	14/02/2067	-	16/08/2067
सिद्धा	शु	16/08/2067	-	16/03/2068
संकटा	रा	16/03/2068	-	15/11/2068
मंगला	चं	15/11/2068	-	15/12/2068
पिंगला	र	15/12/2068	-	14/02/2069

भ्राम्हरी 14/02/2069 - 15/02/2073

भ्राम्हरी	मं	14/02/2069	-	26/07/2069
भद्रीका	बु	26/07/2069	-	14/02/2070
उल्का	श	14/02/2070	-	16/10/2070
सिद्धा	शु	16/10/2070	-	27/07/2071
संकटा	रा	27/07/2071	-	16/06/2072
मंगला	चं	16/06/2072	-	27/07/2072
पिंगला	र	27/07/2072	-	16/10/2072
धान्या	गु	16/10/2072	-	15/02/2073

भद्रीका 15/02/2073 - 15/02/2078

भद्रीका	बु	15/02/2073	-	27/10/2073
उल्का	श	27/10/2073	-	27/08/2074
सिद्धा	शु	27/08/2074	-	17/08/2075
संकटा	रा	17/08/2075	-	26/09/2076
मंगला	चं	26/09/2076	-	16/11/2076
पिंगला	र	16/11/2076	-	25/02/2077
धान्या	गु	25/02/2077	-	27/07/2077
भ्राम्हरी	मं	27/07/2077	-	15/02/2078

ग्रहफल

जिस जातक के जन्म समय में गुरु पाचवें भाव में होता है, वह बुद्धिमान, विलासी और आनंदमय जीवन व्यतीत करने वाला होता है। जातक उत्तम वक्ता, कुशल व्याख्यान दाता होता है। यह कुशल तार्किक, तर्क वितर्क करने वाला होता है। यह उच्चकोटि का ग्रंथकार हो सकता है। धन से यह उतना समृद्ध नहीं होता, जितना यह दिखाई देता है। यह योगादि अभ्यास में बहुत समय देता है, यह मित्रों से पूज्य, अनेक शास्त्रों का ज्ञाता तथा धनाढ्य होता है। यह धार्मिक, पंडित, सुखी, शुद्ध चित्त, दयालु और विनम्र होता है। यह जातक सुंदर वस्त्राभूषण धारण करता है, चतुर होता है, महान कार्य करने वाला होता है, समझदार तथा इसकी भाषण शक्ति बहुत अच्छी होती है। यह अन्न का दान करने वाला, अपने कुल का प्रेमी तथा मंत्र विद्या का जानकार होता है।

जिस जातक के जन्म समय में राहु छठवें भाव में होता है वह शूरवीर, सुंदर कीर्तिमान राजा जैसा मान्य और विद्वान होता है। इस जातक से शत्रु पराजित होते हैं। यह जातक विलासी होता है। इसे धन की प्राप्ति होती है। यह म्लेच्छों की संगति करता है तथा यह महान बली हो सकता है। यह जातक धैर्यवान व अतिसुखी होता है।

जिस व्यक्ति के जन्म समय में नवम् भाव में सूर्य होता है वह अच्छे कार्य नहीं कर पाता। वह स्वतंत्र विचारों का रहता है। इसके सगे भाईयों के प्रति व्यवहार सद्भाव पूर्ण नहीं रहता। यह परदेस में रहने की इच्छा रखता है। यह जातक सत्य वक्ता, सुंदर केश वाला, अपने परिजनों का हित और मान करने वाला देव ब्राम्हणों का हित करने वाला होता है। आचरण शुद्ध रहता है किंतु स्वमान से जिदी होता है।

जिस जातक के जन्म समय में बुध नवम् भाव में होता है, वह धर्मात्मा होता है, उत्तम विद्वान, यज्ञ करने वाला, सज्जनों का साथी, अपने कुल की पताका फहराने वाला, दुर्जनों को संताप देने वाला, राजा के समान प्रतापी और पूरी तरह धनवान होता है। यह जातक कुएँ, बगीचे आदि बनाने वाला सत्यवादी, जितेन्द्रिय, और पितृभक्त होता है। यह सेवकों से युक्त, धनी, अच्छे पुत्रों वाला, पुण्यकर्ता होता है। इसको संतति अधिक होती है। वेद शास्त्रों का ज्ञाता पण्डित होता है। संगीत पढ़ाता है। यह गुणी के प्रति द्वेष रखने वाला हो सकता है परंतु ऐसा प्रायः बुध की स्थिति विशेष में ही होता है।

जिस जातक के जन्म समय में चंद्रमा दसवें भाव में होता है, वह धर्मात्मा होता है। इसको राज्य सुख और सम्मान प्राप्त होता है, यौवनावस्था में इसे प्रचुर सुख मिलता है। इस मनुष्य का अपने बड़े पुत्र से

ग्रहफल

अच्छा संबंध नहीं रहता। इस जातक को रमणियों से अत्यंत सुख मिलता है। यह मनुष्य सर्वत्र विजय पाता है, जिस काम को हाथ में लेता है, उसमें इसे पूरी तरह सफलता प्राप्त होती है तथा घर परिवार से धन प्राप्त करने वाला होता है।

जिस जातक के जन्म काल में शनि दसवें भाव में होता है वह जीविका का सुख धीरे धीरे प्राप्त करता है, यह मनुष्य युद्ध में विजयी होता है। यह जातक जीविका के लिए बाहुबल का ही आश्रय लेता है। यौवनावस्था में संघर्ष के पश्चात समाज में प्रतिष्ठित होता है। इस जातक को राज्य से अधिकार प्राप्त होता है और इसका सब तरह से कल्याण होता है। इसे दुष्टों का दमन करने का दमनाधिकार भी प्राप्त होता है।

जिस जातक के जन्म समय में मंगल ग्यारहवें भाव में होता है उस व्यक्ति को संतान की ओर से विशेष लाभ होता है। शत्रुओं को भी पीड़ा देता है। यह व्यक्ति धनी होता है। साझेदारी के व्यवसाय से सदा हानि होती है। पशुधन के व्यापार से बहुत मालामाल होता है। यह जातक संग्राम में शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने वाला होता है। यह जातक ताँबा, मूँगा, सुंदर लाल वस्त्र, हर्ष, वाहन, मान सबसे युक्त होता है। यह जातक जरी, रेशमी, मखमली, जर्कसी वस्त्रों से सम्मानित अनेक प्रकार के वाहन रखने वाला, शत्रुओं से रहित, कामुक होता है। यह जातक देव भक्त होता है, चंचल और क्रोधी भी होता है। पुण्य कर्मों में चित्त को लगाने वाला तथा विपुल धन को प्राप्त करता है।

जिस जातक के जन्म समय में ग्यारहवें भाव में शुक्र होता है, वह धनी होता है। यह सुंदर गुणों से युक्त, अच्छे स्वभाव का कीर्ति युक्त सत्य भाषण करने वाला, सर्वविधि भोगी ऐश्वर्यवान, राजा के तुल्य होता है। यह जातक अत्यन्त सुशील होता है। यह जातक सभा में आदर प्राप्त करने और शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने वाला लोकमान्य कीर्ति से युक्त होता है। अच्छे कर्म करने से इनको सुख प्राप्त होता है। इसे अनेक प्रकार के वाहन प्राप्त होते हैं। इसको लोक में प्रशंसित कार्य के करने से धन लाभ हो सकता है।

योगायोग निष्कर्ष : लग्न कुंडली

सुनफा योग

यदि चन्द्रमा से दूसरे भाव में ग्रह हों (सूर्य को छोड़कर) तो, सुनफा योग बनता है। स्वयं-अर्जित सम्पत्तिप्राप्त, आप एक स्वनिर्मित व्यक्ति हैं। आप अत्यंत बुद्धिमान हैं और प्रभावशाली पदवीप्राप्त हैं। आप धनवान हैं और बहुत ही अच्छी ख्यातिप्राप्त व्यक्ति हैं।

अनफा योग

यदि चन्द्रमा से 12वें भाव में ग्रह स्थित हों तो, अनफा योग का बनता है। आप शारीरिक रूप से सुदृढ़ तथा सुदौल देहयष्टि प्राप्त हैं, आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली होगा तथा अच्छी प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। स्वभाववश आप विनम्र, उदार और अन्य लोगों के प्रति सम्मान रखते हैं। अच्छे वस्त्र-परिधान तथा संवेदनात्मक आमोद-प्रमोद आपके शौक में शामिल हैं। बाद के जीवन में आप त्याग और सादगी का अनुभव करेंगे।

दुरुधरा योग

यदि चन्द्रमा के दोनों ओर ग्रह स्थित हों तो, दुरुधारा योग बनता है। जातक सुख-सुविधा सम्पन्न होता है। आपको जन्म से ही विपुल धन-सम्पत्ति, वाहन, अधिकार, प्रतिष्ठा व शोहरत विभिन्न प्रमाण में मिलते हैं।

अधि योग

यदि चन्द्रमा से 6ठे, 7वें तथा 8वें भावों में शुभ ग्रह स्थित हों तो, अधि योग बनता है। आप बहुत ही विनम्र तथा भरोसेमंद व्यक्ति हैं, और आनंदमय तथा प्रसन्न जीवन वृत्ति करेंगे। आपका जीवन सुख-सुविधा सम्पन्न तथा विपुलताओं से भरापूर होगा। आप बहुत ही तंदुरस्त हैं तथा लंबी आयु भोगेंगे। अपने शत्रुओं को आप परास्त करेंगे।

वसुमती योग

यदि लग्न से या चन्द्रमा से उपचय (3, 6, 10 और 11) स्थानों में शुभ ग्रह पड़े हों तब वसुमती योग निर्मित होता है। अन्य किसी वस्तु की अपेक्षा अधिकतर यह योग धन-सम्पत्ति से सम्बद्ध है। जातक किसी पर निर्भर नहीं होगा तथा उसके अधिकार में विपुल धन-दौलत रहेगी।

शकट योग

यदि चन्द्रमा बृहस्पति से 12वें, 6ठे, या 8वें भाव में हो तो शकट योग बनता है। जातक एक कठोर तथा जिद्दी व्यक्ति होगा और जीवन में कई उतार चढ़ाव का सामना करना होगा।

योगायोग निष्कर्ष : लग्न कुंडली

वेसी योग

सूर्य से दूसरे स्थान में अगर चन्द्र के अलावा अन्य ग्रह पड़े हों तो, वेसी योग निर्मित होता है। आप भाग्यवान तथा सद्गुणी होंगे। आप अत्यंत प्रसन्न, यशस्वी तथा वैभवशाली जीवन जीयेंगे।

उभयचरी योग

यदि सूर्य के दोनों ओर चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य ग्रह हों तो उभयचरी योग बनता है। आप एक वाक्पटु वक्ता होंगे। आपके अंग सुडौल होंगे और हरेक बाबत से आप आनंद लेंगे। आप सभी लोगों के प्रीतिपात्र होंगे तथा धनवान और सुविख्यात व्यक्ति होंगे।

बुधादित्य योग

यदि बुध और सूर्य युक्त हों तो, बुधादित्य योग बनता है। आप अधिक बुद्धिमान, सभी कार्यों में निपुण हैं तथा आप अच्छी सुविख्याति, आत्मसम्मान प्राप्त और सभी प्रकार के सुख और आराम से घिरे हुए रहेंगे।

देह कष्ट योग

यदि लग्नाधिपति अशुभ ग्रह से युक्त हो या 8वें भाव में स्थित हो तो, देह कष्ट योग बनता है। जातक साधारण जीवन व्यतीत करेगा और शारीरिक विलासिता से प्रभावित नहीं रहेगा।

वाहन योग

यदि लग्नाधिपति चौथे, ग्यारहवें या 9वें भावों के अधिपति से युक्त हों तो, वाहन योग बनता है। आप भौतिक सुखसुविधाएँ, सुख और वाहन पायेंगे। पिछली अवस्था में आप एक अच्छी मोटरकार पायेंगे।

एकपुत्र योग

पंचमाधिपति को केन्द्र या त्रिकोण में होना चाहिये। जातक को कम से कम एक संतान हो सकती है।

सुपुत्र योग

यदि पंचम भाव का अधिपति बृहस्पति हो और सूर्य उत्तम स्थिति में हो तो, सुपुत्र योग बनता है। अपने संतान के कारण आप सुख का अनुभव करेंगे। वह सुयोग्य होगा और अपने माता-पिता को सम्मान देगा।

बुद्धिचातुर्य योग

यदि पंचमाधिपति शुभ ग्रह होकर अन्य शुभ ग्रह से दृष्ट हो या किसी शुभ राशि में स्थित हो तो, यह

योगायोग निष्कर्ष : लग्न कुंडली

यदि पंचमाधिपति शुभ ग्रह होकर अन्य शुभ ग्रह से दृष्ट हो या किसी शुभ राशि में स्थित हो तो. यह योग बनता है। जातक बुद्धिमान और चरित्रवान होगा।

पुत्रसुख योग

जब पंचम भाव में बृहस्पति या शुक्र स्थित हो या जब बुध पांचवें भाव से युक्त हो या जब पंचम भाव में शुभ राशि हो और वहाँ पर शुभ ग्रह स्थित हो तो, पुत्रसुख योग बनता है। आपको संतान से सुख मिलेगा । अपने माता-पिता के प्रति बढ़ते हुए बच्चों में लगाव, आज्ञाकारिता या सम्मान होगा।

सत्कलत्र योग

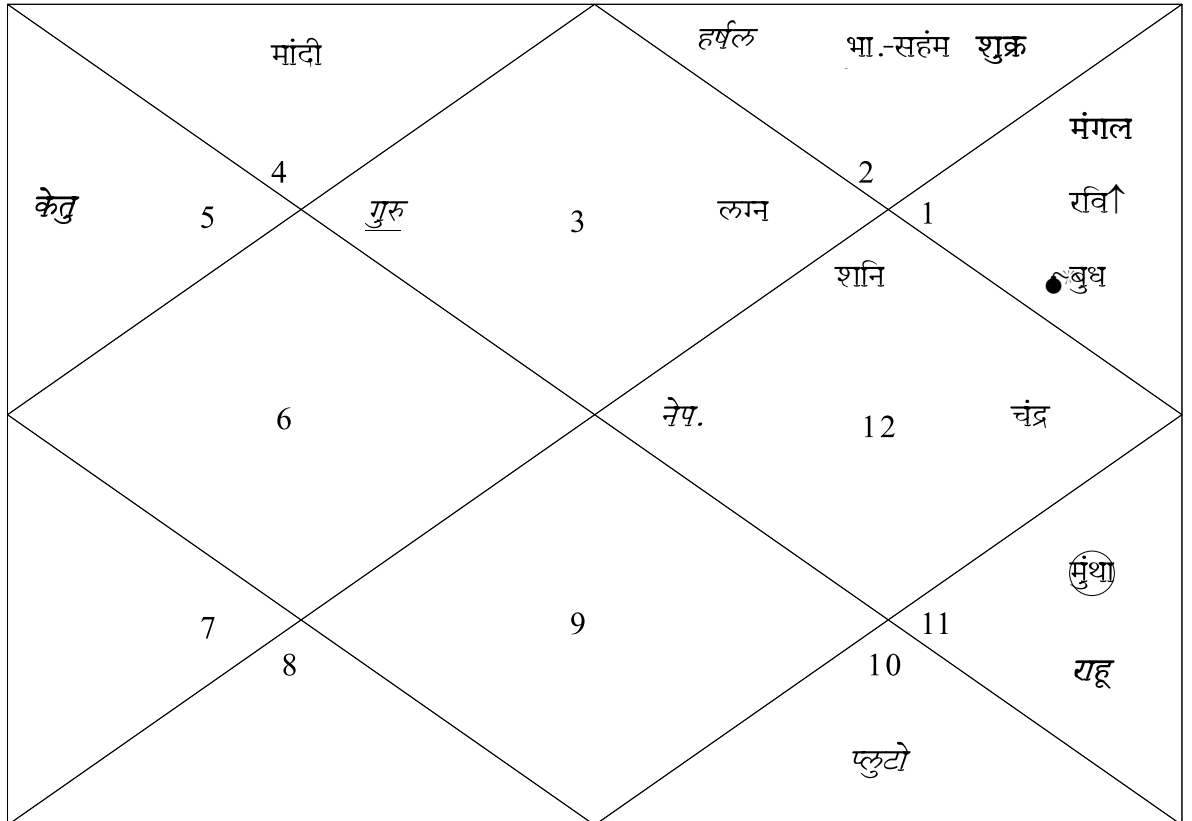
यदि सप्तमाधिपति या शुक्र बृहस्पति या बुध से युक्त या दृष्ट हो तो, यह योग बनता है। जातक के जीवनसाथी उत्तम और पवित्र होंगे। वे नैतिक रूप से सख्त, ईश्वर से डरने वाले, और आपके प्रति बहुत ही अनुरक्त रहेंगे।

वर्षफल : 2026

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशी अंश	नक्षत्र	रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न	मिथुन 24:23:49	पुनर्वसु 2	बुध	गुरु	बुध	-
रवि	मेष 29:10:49	कृत्तिका 1	मंगल	रवि	मंगल	मृत
चंद्र	मीन 22:25:19	रेवती 2	गुरु	बुध	चंद्र	कुमार
मंगल	मेष 02:11:23	अश्विनी 1	मंगल	केतु	शुक्र	बाल
बुध	मेष 28:40:50	कृत्तिका 1	मंगल	रवि	मंगल	मृत
गुरु (व)	मिथुन 26:41:21	पुनर्वसु 3	बुध	गुरु	शुक्र	मृत
शुक्र	वृषभ 29:57:23	मृग 2	शुक्र	मंगल	शनि	बाल
शनि	मीन 16:20:42	उ.भाद्र 4	गुरु	शनि	गुरु	युवा
राहू (व)	कुंभ 10:53:16	शततारका 2	शनि	राहू	शनि	कुमार
केतु (व)	सिंह 10:53:16	मघा 4	रवि	केतु	शनि	कुमार
हर्षल (व)	वृषभ 06:48:18	कृत्तिका 4	शुक्र	रवि	बुध	वृद्ध
नेप. (व)	मीन 09:25:13	उ.भाद्र 2	गुरु	शनि	शुक्र	वृद्ध
प्लुटो (व)	मकर 11:15:58	श्रवण 1	शनि	चंद्र	मंगल	वृद्ध
मांदी	कर्क 00:19:42	पुनर्वसु 4	चंद्र	गुरु	चंद्र	-
भा.-सहंम	वृषभ 17:38:19	रोहिणी 3	शुक्र	चंद्र	शनि	-
मुंथा	कुंभ 15:33:04	शततारका 3	शनि	राहू	शुक्र	-

वर्ष लग्न कुंडली



वर्षफल : 2026

आप 13/05/2026 से 12/06/2026 तक बुध ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में बुध 11 भाव में है।

लम्बी यात्रा करने की पूरी संभावना है। मित्र व अधिकारी वर्ग सहयोग करेंगे। अपने व्यवसाय या व्यापार को बढ़ाने चमकाने के कई मौके आयेंगे। इच्छा और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। भाई या धनिष्ठ मित्र के बारे में कोई शुभ समाचार प्राप्त करेंगे। इस अवधि में हर तरफ से खुशहाल रहने की संभावना है। प्रणय संबंधों के लिये भी यह समय अच्छा है। इस समय का सदुपयोग करें। इस दौरान आपके कई लोगों से मित्रतापूर्ण संबंध कायम होंगे।

आप 13/06/2026 से 04/07/2026 तक केतु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में केतु 3 भाव में है।

आप अपने काम बुद्धिमानी से नहीं निबटायेंगे। वैसे इस पूरी अवधि में आप आशावादी रहेंगे। संचार द्वारा प्राप्त समाचार से लाभान्वित होंगे। अचानक यात्रा करने से भी अच्छे फल निकलेंगे। आमदनी में इजाफा होगा। पारिवारिक जीवन पर राहतकारी प्रभाव पड़ेगा। अगर पदोन्नति होने वाली हैं तो जैसा आप चाहेंगे वैसी ही होगी। मित्र मंडली बढ़ेगी आपका आध्यात्म के प्रति झुकाव बढ़ेगा। वास्तव में यह आपके लिये एक सौभाग्यशाली समय है।

आप 05/07/2026 से 03/09/2026 तक शुक्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शुक्र 12 भाव में है।

आप सुविधा और विलास के साधनों पर खर्च करेंगे। उच्च कोटि का वैवाहिक सुख भोगेंगे। फिर भी अच्छा होगा आप अपनी भोग प्रवृत्ति पर अंकुष लगायें वरना आनंद प्राप्त करने के बजाय परेशानी उठानी पड़ेगी। छोटी मोटी बीमारी परेशान करेगी। प्रणय संबंध की गति धीमी रखें। विरोधी और प्रतिद्वन्दी नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे। यद्यपि आप उनकी परवाह नहीं करेंगे फिर भी आप को सलाह दी जाती है कि ऐसा न करें। आर्थिक रूप से यह बुरा समय नहीं है पर खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार जन के स्वास्थ्य के कारण आप चिन्तित रह सकते हैं।

आप 04/09/2026 से 21/09/2026 तक रवि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में रवि 11 भाव में है।

आपकी इच्छाएँ व महत्वाकांक्षाएँ पूरी होंगी। मित्रों और रिश्तेदारों से सहायता पायेंगे। इस समय के सौदे सफल सिद्ध होंगे। अनुबंधों और समझौतों से आपको प्रचुर लाभ मिलेगा। प्रेम एवम् प्रणय संबंधों के

वर्षफल : 2026

लिये भी यह समय श्रेष्ठ व सुखद सिद्ध होगा।

आप 22/09/2026 से 21/10/2026 तक चंद्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में चंद्र 10 भाव में है।

आप अपने ही विचारों और योजनाओं को रचनात्मक रूप दे सकेंगे। नौकरी या व्यापार से संबंधित कुछ ठोस परिणाम सामने आयेंगे। आपके सारे ही उद्यमों में सफलता निश्चित है। अपने से वरिष्ठ लोगों या पर्यवेक्षकों के साथ अति मधुर संबंध रहेंगे। इस काल में समय का सदुपयोग कीजिये।

आप 22/10/2026 से 11/11/2026 तक मंगल ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में मंगल 11 भाव में है।

मित्रों और सहयोगियों से आपको लाभ मिलेगा। बहु प्रतिक्षित इच्छाओं और आंकाक्षों की पूर्ति होगी और लम्बी यात्राएं सफल रहेंगी। आमदनी में वृद्धि होना सुनिश्चित है। विलास सामग्री एवम् अन्य चीजों पर आप व्यय करेंगे। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा।

आप 12/11/2026 से 05/01/2027 तक राहू ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में राहू 9 भाव में है।

इस अवधि में आपको मिले जुले फल मिलेंगे वैसे आप अपने व्यवसाय में अच्छा काम करेंगे। आप अपने लक्ष्य से भ्रमित नहीं होंगे और एक बार हाथ में लेने के बाद काम छोड़ेंगे नहीं। आपका निश्चय दृढ़ रहेगा। लेकिन गुरुजनों और माता पिता से संबंध बहुत अच्छे नहीं रहेंगे। कभी कभी आप तर्क बुद्धि से इतना काम लेंगे कि मामले की तह तक ही न पहुंच पायेंगे। व्यक्तित्व में अहंकार का प्रवेश हो जायेगा। आपके इस बर्ताव से आप जनप्रिय नहीं रह पायेंगे। अपनी अंतर्दृष्टि से अपने आप को जांचने परखने का प्रयत्न करें।

आप 06/01/2027 से 23/02/2027 तक गुरु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में गुरु 1 भाव में है।

आप शुभ एवम् श्रेष्ठ कृत्यों से संबंधित रहेंगे। इस दौरान आप काफी प्रसन्न रहेंगे और परिवार में कोई शुभ मंगल कार्य या श्रेष्ठ संस्कार भी सम्पन्न होगा। आपकी आमदनी बढ़ेगी तथा ऊँचे सरकारी अफसरों से आपके संबंध भी सुधरेंगे। अपनी योग्यता के कारण आप विपरीत परिस्थितियों का भी भली प्रकार सामना कर लेंगे। पारिवारिक सुख सुनिश्चित रहेगा। दर्शन एवम् तत्व मीमांसा में आपकी विशेष रुचि

वर्षफल : 2026

रहेगी। इस अवधि में दिमाग पूरी तरह चैतन्य और अनुकूल रहेगा।

आप 24/02/2027 से 22/04/2027 तक शनि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शनि 10 भाव में है।

अपना मनचाहा परिणाम पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। वैसे मोटे तौर पर परिणाम आशाजनक नहीं निकलेगा लेकिन प्रत्येक कार्य विलम्ब से पूरा होगा। इस अवधि में किसी काम में बड़ा परिवर्तन नहीं करना चाहिए। धैर्य की हर क्रियाकलाप में बहुत आवश्यकता रहेगी। साथी का स्वास्थ्य आपको मानसिक रूप से चिन्तित रख सकता है। व्यापार, नौकरी के सिलसिले में किए गए भ्रमण लाभकारी सिद्ध होंगे। जमीन की खरीदी और किसी अच्छे समय करने के लिए मुलतवी रखिए।

आप 23/04/2027 से 13/05/2027 तक बुध ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में बुध 11 भाव में है।

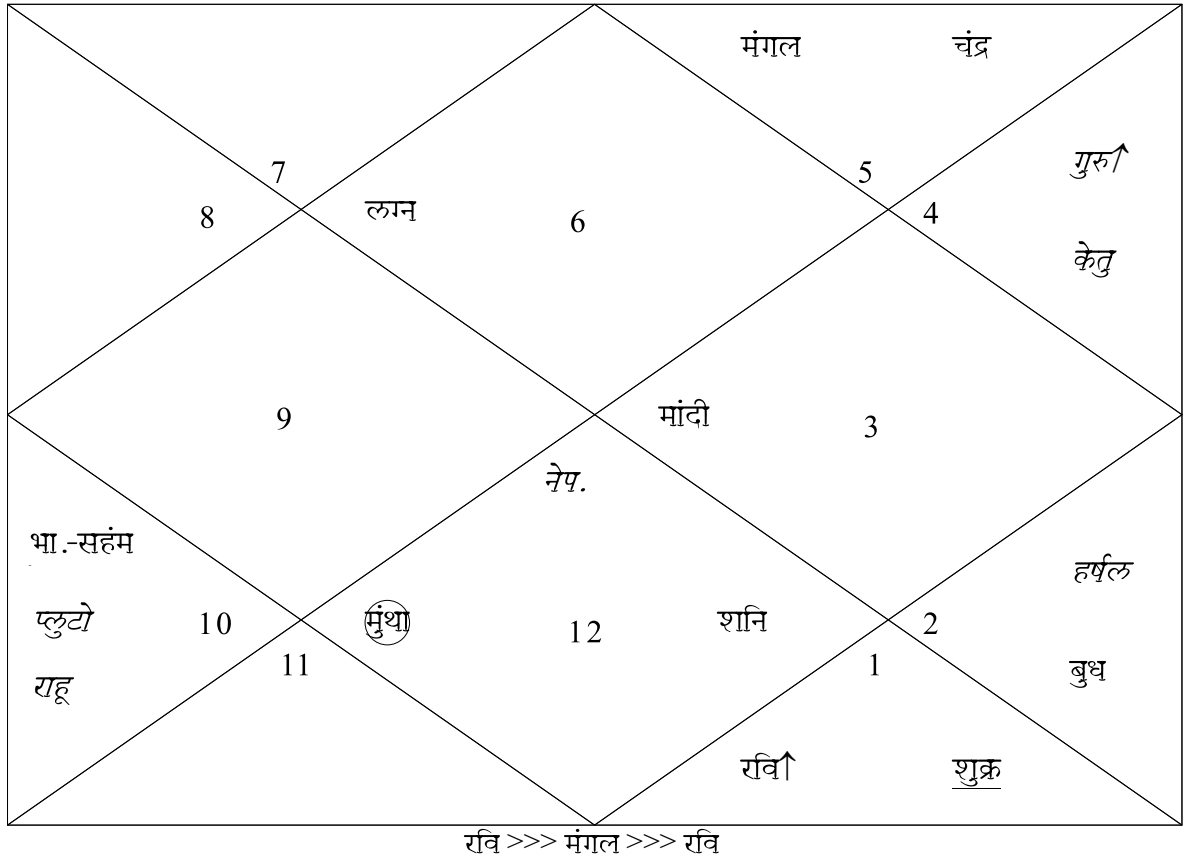
लम्बी यात्रा करने की पूरी संभावना है। मित्र व अधिकारी वर्ग सहयोग करेंगे। अपने व्यवसाय या व्यापार को बढ़ाने चमकाने के कई मौके आयेंगे। इच्छा और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। भाई या धनिष्ठ मित्र के बारे में कोई शुभ समाचार प्राप्त करेंगे। इस अवधि में हर तरफ से खुशहाल रहने की संभावना है। प्रणय संबंधों के लिये भी यह समय अच्छा है। इस समय का सदुपयोग करें। इस दौरान आपके कई लोगों से मित्रतापूर्ण संबंध कायम होंगे।

वर्षफल : 2027

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशी	अंश	नक्षत्र	रा	स्वा	न	स्वा	उ	स्वा	अवस्था
लग्न	कन्या	19:19:07	हस्त	3	बुध	चंद्र	बुध	-		
रवि	मेष	29:11:17	कृत्तिका	1	मंगल	रवि	मंगल	मृत		
चंद्र	सिंह	15:18:26	पूर्वा-फा.	1	रवि	शुक्र	शुक्र	युवा		
मंगल	सिंह	05:41:38	मघा	2	रवि	केतु	राहू	बाल		
बुध	वृषभ	16:00:44	रोहिणी	2	शुक्र	चंद्र	शनि	युवा		
गुरु (व)	कर्क	24:13:19	आश्लेषा	3	चंद्र	बुध	राहू	बाल		
शुक्र	मेष	05:13:59	अश्विनी	2	मंगल	केतु	मंगल	बाल		
शनि	मीन	27:54:51	रेवती	4	गुरु	बुध	शनि	बाल		
राहू (व)	मकर	21:31:51	श्रवण	4	शनि	चंद्र	शुक्र	कुमार		
केतु (व)	कर्क	21:31:51	आश्लेषा	2	चंद्र	बुध	शुक्र	कुमार		
हर्षल (व)	वृषभ	10:46:45	रोहिणी	1	शुक्र	चंद्र	चंद्र	वृद्ध		
नेप. (व)	मीन	11:35:02	उ.भाद्र	3	गुरु	शनि	चंद्र	वृद्ध		
प्लुटो (व)	मकर	12:55:31	श्रवण	1	शनि	चंद्र	राहू	युवा		
मांदी	मिथुन	07:14:16	आर्द्रा	1	बुध	राहू	राहू	-		
भा.-सहंम	मकर	05:26:15	उ.षाढा	3	शनि	रवि	बुध	-		
मुंथा	मीन	15:33:04	उ.भाद्र	4	गुरु	शनि	गुरु	-		

वर्ष लग्न कुंडली



वर्षफल : 2027

आप 13/05/2027 से 04/07/2027 तक शुक्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शुक्र 8 भाव में है।

किसी बदनामी देने वाले कांड में फंसने के कारण आपकी प्रतिष्ठा पर आंच आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह कोई अच्छा समय नहीं है। अचानक धन प्राप्ति की संभावना है। लेकिन साथ ही साथ खर्च भी बढ़ेंगे। गुप्त और गूढ़ सुखों को भोगने वाली प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें नहीं तो बड़ी शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वैसे परिवारजन का सहयोग पूरा रहेगा। यद्यपि कभी कभी मतभेद भी रह सकता है। जहां तक संभव हो यात्राएँ न करें।

आप 05/07/2027 से 22/07/2027 तक रवि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में रवि 8 भाव में है।

अचानक समस्याएँ खड़ी हो सकती हैं। संबंधियों से व्यवहार अच्छा रखें। नहीं तो बेवजह झगड़े होंगे। स्वास्थ्य का ख्याल रखें। लम्बी अवधि के लिये बीमार रहने की आशंका रहेगी। अनैतिक कार्यों में प्रवृत्त न हों तथा संदेहास्पद सौदों से बचें। महत्वपूर्ण कागजों पर दस्तखत करने से पहले कागज अच्छी तरह पढ़ें।

आप 23/07/2027 से 21/08/2027 तक चंद्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में चंद्र 12 भाव में है।

अभी आप बहुत खर्च न करें। व्यय पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के लिहाज से भी बहुत अच्छा समय नहीं है। व्यर्थ की यात्राओं से बचें परामनोवैज्ञानिक एवम् गूढ़ अनुभवों को प्राप्त करने के लिये आपका झुकाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें कठोर भाषा से परेशानी में पड़ सकते हैं। सट्टेबाजी से बचें।

आप 22/08/2027 से 11/09/2027 तक मंगल ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में मंगल 12 भाव में है।

इस अवधि में आपको कई प्रतिकूल परिस्थितियों और परेशानियों का सामना करना पड़ेगा और इस कारण दुःख उठायेगे। कुछ दुख इसलिये भी बढ़ेगा कि आप झुकना नहीं जानते और अपने घमण्ड के कारण परिस्थितियों को और खराब करेंगे। स्वास्थ्य से भी परेशान रहेंगे। खर्च बढ़ता ही जायेगा। यद्यपि साथी के स्वास्थ्य में सुधार के लक्षण दिखाई पड़ेंगे, परंतु पूर्ण सुधार में समय लगेगा। आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है।

वर्षफल : 2027

आप 12/09/2027 से 05/11/2027 तक राहू ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में राहू 5 भाव में है।

सही निर्णय लेने की आपकी क्षमता और योग्यता पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। आप अपने आस पास भ्रम का विश्व बना लेना चाहेंगे। झूठी आशाएं लक्ष्य को भ्रमित कर देंगी। सट्टेबाजी की प्रवृत्ति पर पूरा अंकुश लगायें। मित्रों से संबंध मधुर नहीं रहेंगे। किसी मुकदमेबाजी के चक्कर में अपने आपको न फंसायें। किसी के जमानती बनने की बिल्कुल भी चेष्टा न करें। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें फूड पाइजनिंग के कारण पेट के रोग उभर सकते हैं।

आप 06/11/2027 से 24/12/2027 तक गुरु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में गुरु 11 भाव में है।

इस अवधि में आप काफी उत्साह और सुख पूर्ण होंगे। यह समय बेहद अच्छा बीतेगा। विदेशियों या सुदूर स्थलों पर रहने वाले लोगों से आपके संबंधित सौमनस्यपूर्ण रहेंगे। नये उद्यमों के साथ आप संबंधित रहेंगे। भाई बहन भी इस अवधि में खुशहाल रहेंगे। यदि आप किसी प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा में भाग ले रहे हैं तो अवश्य सफल होंगे। इस अवधि के दौरान आप योग और समाधि इत्यादि में दिलचस्पी रखेंगे। आपकी स्पष्ट रूप से प्रवृत्ति दर्शनिक रहेगी।

आप 25/12/2027 से 20/02/2028 तक शनि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शनि 7 भाव में है।

यह अच्छा समय नहीं है क्योंकि आपके भागीदार या सहयोगी आपको नीचा दिखाएंगे। अपनों की लापरवाही और असफलताओं से आप चिन्तित रहेंगे। रोजमर्रा के कामों में भी समस्याएँ खड़ी हो सकती हैं। बेबुनियाद इल्जाम आपके ऊपर लगाये जाएंगे। छोटे मोटे झंझट या विवादों से बचें। स्त्री वर्ग से आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। जहां तक संभव हो फालतू की यात्रा कम करें। व्यापार के बड़े बड़े निर्णय लेने या विकास की योजनाओं पर ध्यान देने के लिए यह आवश्यक है कि आप पूरी जांच परख करके ही ऐसा करें।

आप 21/02/2028 से 12/04/2028 तक बुध ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में बुध 9 भाव में है।

प्रभावशाली वाणी होने के कारण लोगों से आप अपनी बात मनवा लेते हैं। प्रसिद्ध व्यक्तियों के आप सम्पर्क में आयेंगे। आपकी ख्याति और प्रतिष्ठा सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। अपनी बुद्धिमत्ता के कारण

वर्षफल : 2027

आप प्रचुर लाभ पायेंगे। अपने व्यवसाय में आप अच्छा काम करेंगे। यात्रा से निश्चित लाभ प्राप्त करेंगे।

आप 13/04/2028 से 04/05/2028 तक केतु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में केतु 11 भाव में है।

अचानक परिस्थितियाँ आपके अनुकूल होती जायेंगी। कुछ व्यापारिक सौदे आपको काफी लाभांशित कर देंगे। मित्र और हितैषियों का पूरा सहयोग रहेगा। उच्च कोटि के शारिरिक या मानसिक सुख आपको प्राप्त होंगे। अगर नौकरी पेशा हैं तो पदोन्नति प्राप्त करेंगे। इस अवधि में लम्बी यात्रा की भी प्रबल संभावना है। पारिवारिक जीवन संतोष प्रदान करेगा। सामाजिक क्षेत्र में आप प्रचुर प्रतिष्ठा और सम्मान के भागी होंगे।

आप 05/05/2028 से 12/05/2028 तक शुक्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शुक्र 8 भाव में है।

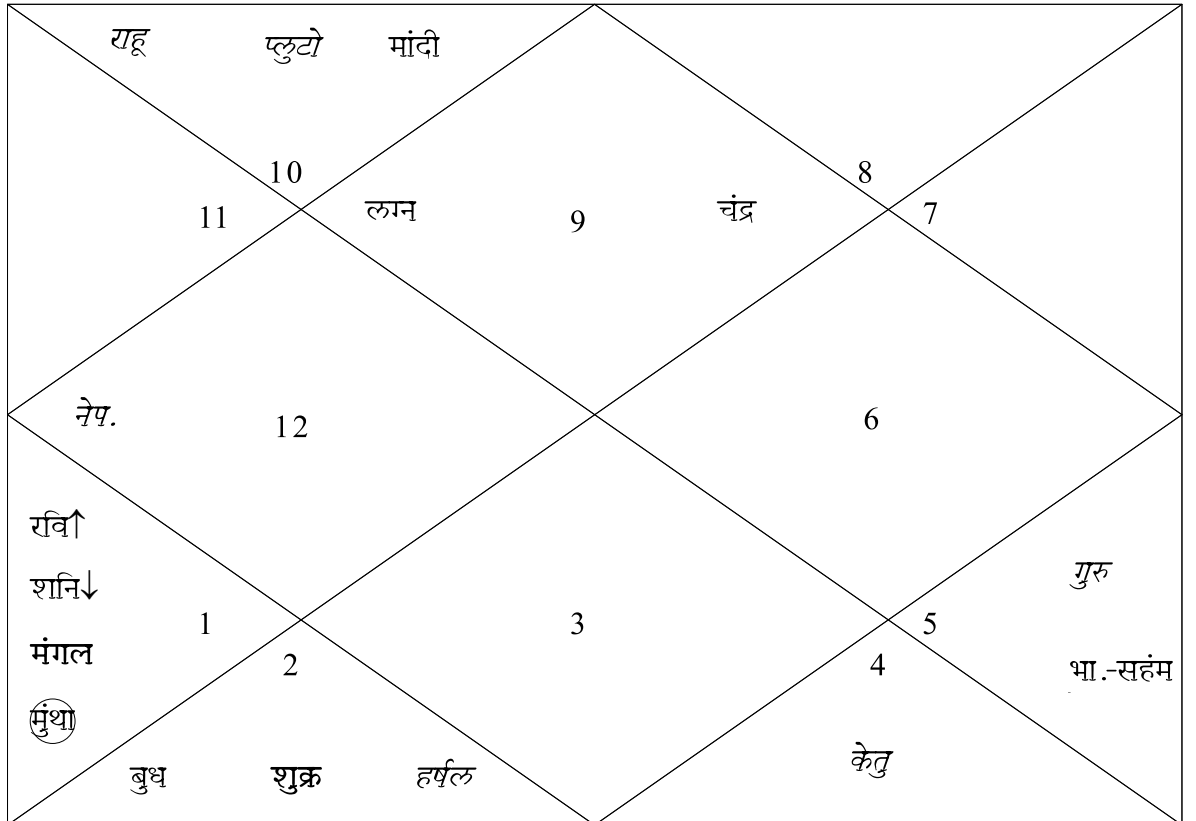
किसी बदनामी देने वाले कांड में फंसने के कारण आपकी प्रतिष्ठा पर आंच आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह कोई अच्छा समय नहीं है। अचानक धन प्राप्ति की संभावना है। लेकिन साथ ही साथ खर्चे भी बढ़ेंगे। गुप्त और गूढ़ सुखों को भोगने वाली प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें नहीं तो बड़ी शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वैसे परिवारजन का सहयोग पूरा रहेगा। यद्यपि कभी कभी मतभेद भी रह सकता है। जहां तक संभव हो यात्राएँ न करें।

वर्षफल : 2028

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशी अंश	नक्षत्र	रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न	धनु 13:30:02	पू.षाढा 1	गुरु	शुक्र	शुक्र	-
रवि	मेष 29:11:01	कृत्तिका 1	मंगल	रवि	मंगल	मृत
चंद्र	धनु 28:47:08	उ.षाढा 1	गुरु	रवि	मंगल	मृत
मंगल	मेष 17:30:09	भरणी 2	मंगल	शुक्र	मंगल	युवा
बुध	वृषभ 19:41:03	रोहिणी 3	शुक्र	चंद्र	केतु	कुमार
गुरु (व)	सिंह 23:17:06	पूर्वा-फा. 3	रवि	शुक्र	शनि	वृद्ध
शुक्र	वृषभ 25:16:51	मृग 1	शुक्र	मंगल	राहू	बाल
शनि	मेष 09:36:00	अश्विनी 3	मंगल	केतु	शनि	कुमार
राहू (व)	मकर 02:10:27	उ.षाढा 2	शनि	रवि	गुरु	मृत
केतु (व)	कर्क 02:10:27	पुनर्वसु 4	चंद्र	गुरु	राहू	मृत
हर्षल (व)	वृषभ 14:46:43	रोहिणी 2	शुक्र	चंद्र	गुरु	युवा
नेप. (व)	मीन 13:44:41	उ.भाद्र 4	गुरु	शनि	राहू	युवा
प्लुटो (व)	मकर 14:33:44	श्रवण 2	शनि	चंद्र	गुरु	युवा
मांदी	मकर 12:12:16	श्रवण 1	शनि	चंद्र	राहू	-
भा.-सहंम	सिंह 13:06:08	मघा 4	रवि	केतु	बुध	-
मुंथा	मेष 15:33:04	भरणी 1	मंगल	शुक्र	शुक्र	-

वर्ष लग्न कुंडली



वर्षफल : 2028

आप 13/05/2028 से 29/05/2028 तक रवि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में रवि 5 भाव में है।

इस अवधि में आप जीवन का बड़े उत्साह और उत्साह से स्वागत करेंगे। प्रणय प्रेम संबंधों के लिये यह समय उचित नहीं है। बहुत अधिक सोच विचार से हानि हो सकती है इसलिये इससे आप बचें, अचानक यात्रा की संभावना भी हो सकती है।

आप 30/05/2028 से 28/06/2028 तक चंद्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में चंद्र 1 भाव में है।

इस अवधि में मिले जुले फल मिलेंगे। कई अच्छे अवसर मिलेंगे पर आप उनका पूरा उपयोग नहीं कर पायेंगे। स्वास्थ्य के कारण परेशान रहेंगे। मित्र परिवार और सहयोगियों के साथ बर्ताव में सतर्क रहें। यात्राएं सफल नहीं होंगी इसलिये इनसे बचें। मां बाप का रुग्ण स्वास्थ्य चिन्ताग्रस्त रखेगा।

आप 29/06/2028 से 19/07/2028 तक मंगल ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में मंगल 5 भाव में है।

आप सावधान रहें क्योंकि आपकी विवेक बुद्धि में चंचलता का भाव आ गया है। स्वास्थ्य एवम् पारिवारिक सदस्यों के कारण परेशानी पैदा होगी। सट्टेबाजी से बचें। कुछ ऐसे खर्चे भी करने पड़ेंगे जिनके कारण आप मानसिक नियंत्रण से बाहर होंगे। मित्र एवम् सहयोगियों से निराशा पायेंगे। फालतू यात्रा से थकान होगी।

आप 20/07/2028 से 12/09/2028 तक राहु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में राहु 2 भाव में है।

रोजमर्रा के जीवन में पैसा वसूल करने में आपको परेशानी हो सकती है। किसी भी उद्यम की प्रायोजना की पूरी जांच परख कर के ही पूंजी निवेश की सोचें। घर का वातावरण तनावपूर्ण रहेगा। परिवारजनों से कभी कभी मतभेद रहेगा। इस अवधि में आंख की पीड़ा भी आप भोग सकते हैं। साधारण रूप से स्वास्थ्य ठीक रहेगा। शत्रु नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे। घर के मामलों में आप असुरक्षा की भावना से आक्रान्त रहेंगे।

आप 13/09/2028 से 31/10/2028 तक गुरु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में गुरु 9 भाव में है।

वर्षफल : 2028

इस वर्ष यह अवधि आपके लिये सर्वश्रेष्ठ सिद्ध होगी। आप प्रचुर सफलता और सम्मान प्राप्त करेंगे। इस अवधि का उपयोग आप मन को एकाग्र करने समाधि और योग क्रियाओं को प्रयोग करने के लिए भी कर सकते हैं। धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र के किसी मुखी से भी आपका सम्पर्क हो सकता है। अपने काम को पूरा करने के लिये आप में प्रचुर उत्साह और विश्वास रहेगा। पारिवारिक माहौल से भी सहारा मिलेगा। लम्बी यात्रा सफल सिद्ध होगी। परिवार में नये सदस्य की बढ़ोत्तरी होगी।

आप 01/11/2028 से 28/12/2028 तक शनि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शनि 5 भाव में है।

आपकी सृजनात्मक क्षमता इस अवधि में छुपी रहेगी और बुद्धि विवेक का भी ह्रास होगा। इस मामले में अधिक ध्यान देने की जरूरत है जिससे आप सही निर्णय ले सकें। आपके परिवार में बच्चों का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। मित्र व सहयोगी अपना वचन नहीं निभाएंगे। झूठी आशाओं पर निर्भर करना ठीक नहीं। यात्राएं सफल नहीं होंगी। आर्थिक समस्याएं मन की शांति को भंग करेंगी। जोखिम उठाने वाली प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाकर रखें।

आप 29/12/2028 से 18/02/2029 तक बुध ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में बुध 6 भाव में है।

खर्च नियंत्रण से बाहर हो जायेगा। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ भी रहेंगी। विरोधी प्रतिष्ठा बिगाड़ने की चेष्टा करेंगे। वैसे नौकरी के हालात में सुधार होगा लेकिन काम का बोझ अधिक रहेगा। इसके अलावा व्यर्थ के कामों में भी आप उलझे रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें और कटु न बोलें तथा अफसरों की आलोचना करने की प्रवृत्ति को भी कम करें। पारिवारिक जीवन से तनाव रहेगा। जहां तक संभव हो यात्रा से बचें।

आप 19/02/2029 से 12/03/2029 तक केतु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में केतु 8 भाव में है।

इस अवधि में अचानक लाभ होने की संभावना है। अगर वसीयत प्राप्त करने की संभावना है या आप उसको प्राप्त करने के लिये इच्छुक है तो आप उसे प्राप्त कर सकते हैं। आपका मन धार्मिक क्रिया कलाओं की ओर झुका रहेगा। कुछ अतीन्द्रिय अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं। पारिवारिक माहौल सौहार्दपूर्ण रहेगा। अचानक यात्राएं सफल सिद्ध होंगी। आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और सम्मान में इजाफा होगा। छोटी छोटी बीमारियां मानसिक शांति भंग कर सकती है। आप तीर्थाटन पर जा सकते हैं। कुल

वर्षफल : 2028

मिलाकर सुखी रहेंगे।

आप 13/03/2029 से 12/05/2029 तक शुक्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शुक्र 6 भाव में है।

इस अवधि में वासनात्मक विचार आपको सिर्फ अवसादित ही नहीं करेंगे जलील भी करवा सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण आपकी नित्यचर्या में भी व्यवधान उपस्थित हो जायेगा। वैसे नौकरी के हालात अच्छे रहेंगे यद्यपि काम का बोझ थकाने वाला होगा। मित्र वर्ग से आपका व्यवहार मधुर नहीं रह पायेगा। विरोधी प्रबल होंगे। विपरीत परिस्थितियों में प्रतिरोधात्मक शक्ति का विकास प्राप्त करने का प्रयत्न करें। भारी व्यय होने की भी संभावना है।

आप 13/05/2029 से 14/05/2029 तक रवि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में रवि 5 भाव में है।

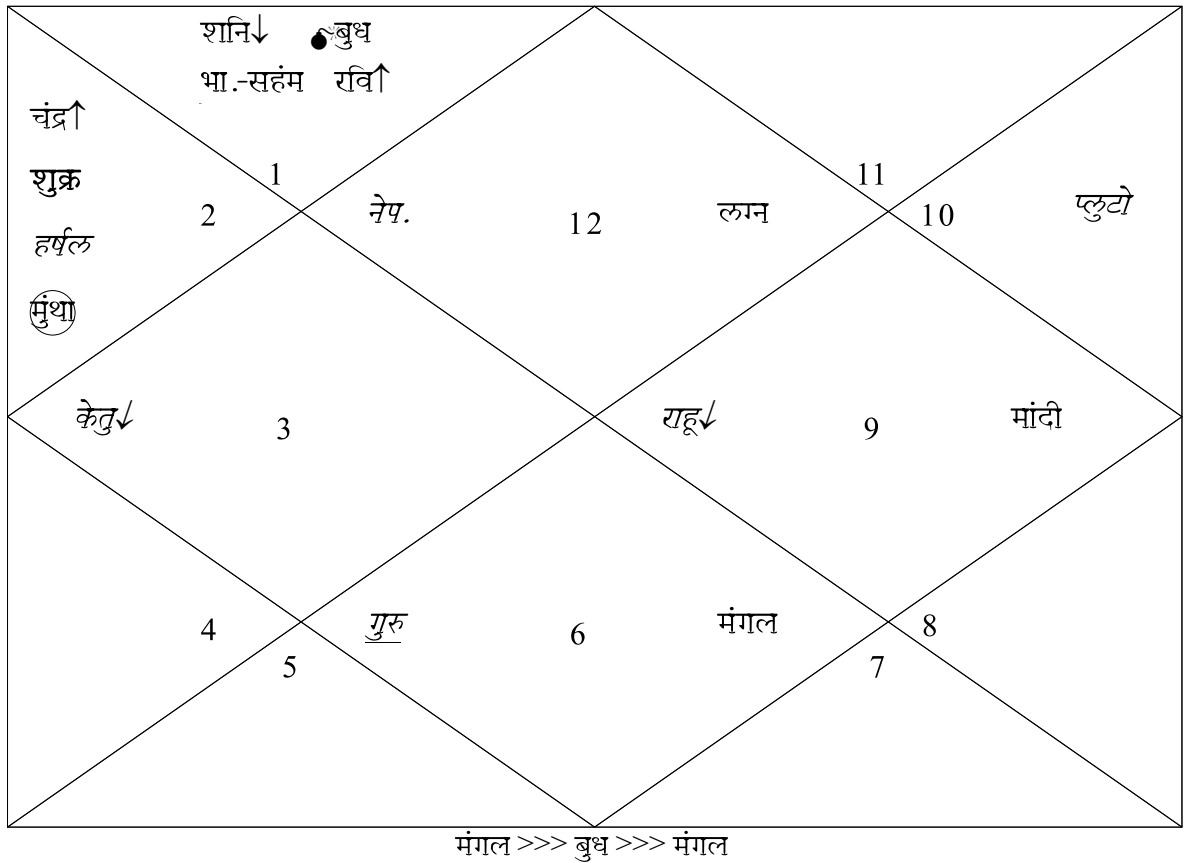
इस अवधि में आप जीवन का बड़े उत्साह और उत्साह से स्वागत करेंगे। प्रणय प्रेम संबंधों के लिये यह समय उचित नहीं है। बहुत अधिक सोच विचार से हानि हो सकती है इसलिये इससे आप बचें, अचानक यात्रा की संभावना भी हो सकती है।

वर्षफल : 2029

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशी अंश	नक्षत्र	रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न	मीन 29:51:34	रेवती 4	गुरु	बुध	शनि	-
रवि	मेष 29:11:00	कृत्तिका 1	मंगल	रवि	मंगल	मृत
चंद्र	वृषभ 03:28:45	कृत्तिका 3	शुक्र	रवि	शनि	मृत
मंगल	कन्या 01:03:46	उत्तरा-फा. 2	बुध	रवि	राहू	मृत
बुध	मेष 27:39:13	कृत्तिका 1	मंगल	रवि	चंद्र	मृत
गुरु (व)	कन्या 24:38:17	चित्रा 1	बुध	मंगल	राहू	बाल
शुक्र	वृषभ 12:23:46	रोहिणी 1	शुक्र	चंद्र	राहू	युवा
शनि	मेष 21:25:31	भरणी 3	मंगल	शुक्र	गुरु	वृद्ध
राहू (व)	धनु 12:49:05	मूल 4	गुरु	केतु	बुध	युवा
केतु (व)	मिथुन 12:49:05	आर्द्रा 2	बुध	राहू	बुध	युवा
हर्षल (व)	वृषभ 18:48:19	रोहिणी 3	शुक्र	चंद्र	बुध	कुमार
नेप. (व)	मीन 15:54:14	उ.भाद्र 4	गुरु	शनि	गुरु	युवा
प्लुटो (व)	मकर 16:10:41	श्रवण 2	शनि	चंद्र	शनि	युवा
मांदी	धनु 19:33:51	पू.षाढा 2	गुरु	शुक्र	राहू	-
भा.-सहंम	मेष 04:09:19	अश्विनी 2	मंगल	केतु	चंद्र	-
मुंथा	वृषभ 15:33:04	रोहिणी 2	शुक्र	चंद्र	गुरु	-

वर्ष लग्न कुंडली



वर्षफल : 2029

आप 13/05/2029 से 23/05/2029 तक रवि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में रवि 2 भाव में है।

घरेलू जीवन सुखद रखने के लिए पर बहुत ध्यान देना पड़ेगा। आपकी शारीरिक तनाव और बोझ सहने की अच्छी क्षमता है लेकिन परिवार के झंझटों के कारण क्षमता से अधिक कष्ट भोगना पड़ सकता है। आर्थिक हानियाँ होंगी और सम्पत्ति का क्षय होगा। संपत्ति संबंधी मामलों में काफी सचेत रहने की आवश्यकता है। आंखों और मुँह की बीमारी से सचेत रहे।

आप 24/05/2029 से 22/06/2029 तक चंद्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में चंद्र 3 भाव में है।

इस अवधि में आपका आत्मविश्वास बढ़ा चढ़ा रहेगा। भाई बहन भी खुशहाल रहेंगे। माँ बाप से संबंध बहुत अच्छे रहेंगे। अगर नौकरी करते हैं तो पदोन्नति की संभावना है। स्थान या व्यवसाय में परिवर्तन की भी संभावना है।

आप 23/06/2029 से 13/07/2029 तक मंगल ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में मंगल 7 भाव में है।

नित्य दिनचर्या में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। शत्रु छवि बिगाड़ने का प्रयत्न करेंगे। सहयोगियों तथा भागीदारों से विवाद होने की संभावना है। पारिवारिक जीवन भी सुखद नहीं रहेगा। अपनी तंदुरस्ती का ख्याल रखें। यात्राओं से निराशा मिलेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के कारण चिंतित रहेंगे। इस दौरान आपका जीवन समस्याओं एवम् परिणामों से आक्रांत रहेगा।

आप 14/07/2029 से 06/09/2029 तक राहू ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में राहू 10 भाव में है।

इस अवधि के दौरान आपका अपने प्रति विश्वास बहुत बढ़ा चढ़ा रहेगा आप निडर संघर्षप्रीमी और झंझट से डरने वाले नहीं होंगे आपकी मेहनत और कर्मठता से व्यापार धंधे में विकास होगा। वरिष्ठ लोगों और सत्ताधारी व्यक्तियों से आपके संबंध मधुर रहेंगे साथ ही आपके व्यापारिक क्षेत्र में वृद्धि होगी। एक सोची हुई यात्रा पूरी करने से असीमित लाभ प्राप्त करेंगे। प्रतिस्पर्धा में विजयी रहकर आप अपने शत्रुओं का पराभव कर देंगे। स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा।

आप 07/09/2029 से 25/10/2029 तक गुरु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में गुरु 7 भाव में है।

वर्षफल : 2029

इस अवधि में आप वैवाहिक सुख भोगेंगे। व्यापार या नौकरी इत्यादि के विकासशील होने की अच्छी संभावनाएं रहेंगी। बहु प्रतिक्षित यात्रा करेंगे। परिवार का वातावरण भी सौमनस्यपूर्ण रहेगा। इच्छाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति होगी। आप निडर रहेंगे और शत्रुगण आपके सामने आने की हिम्मत नहीं करेंगे। दर्शन व साहित्य में रुचि जागृत होगी। विद्वानों से सम्पर्क बढ़ेंगे। आप अत्यधिक सम्मानप्रिय व्यक्ति समझे जायेंगे और विख्यात होंगे।

आप 26/10/2029 से 22/12/2029 तक शनि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शनि 2 भाव में है।

इस अवधि में कुछ आर्थिक परेशानियाँ सामने आएंगी। आमदनी ठीक नहीं रहेगी। परिवारजनों की अपेक्षाएं पूर्ण नहीं होंगी। अपने लोगों से आपकी पटेगी नहीं। रोजमरोज के जीवन में आपको सावधान रहने की आवश्यकता है। नए उद्यमों से इस अवधि में सम्बन्ध न बनायें और महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर बिना देखे दस्तखत न करें। जोखिम उठाने की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगाएँ। मां बाप का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा।

आप 23/12/2029 से 12/02/2030 तक बुध ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में बुध 2 भाव में है।

आर्थिक रूप से यह उत्तम समय रहेगा। नफे के सौदे से काफी लाभ होगा। परिस्थितियों और योजनाओं की गहरी समझ के कारण आप दूसरों से आसानी से कोई बात मनवा सकेंगे। इस अवधि में आप काफी प्रसिद्ध रहेंगे। परिवार के सदस्यों का आपके प्रति बहुत अच्छा बर्ताव रहेगा। पुराने ऋण इत्यादि की वसूली भी हो जायेगी। इस काल में भ्रमण से काफी लाभ मिलेगा। आपकी प्रकृति दार्शनिक और गंभीर हो जायेगी। गूढ़ विज्ञान में आपकी रुचि बढ़ेगी तथा हो सकता है आपको परामनोवैज्ञानिक अनुभव भी प्राप्त हो ।

आप 13/02/2030 से 06/03/2030 तक केतु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में केतु 4 भाव में है।

इस अवधि के दौरान वैचारिक स्पष्टता का अभाव रहेगा। असाधारण रूप से हर तरफ एक प्रश्न मिलेगा। पारिवारिक वातावरण भी परेशान रखेगा। छोटी छोटी बातों पर झगड़े और विवाद हो सकते हैं। व्यापार धंधा भी मन्दा चलेगा। नौकरी के हालात भी संतोषप्रद नहीं होंगे। इस अवधि में आपके शीघ्र व्याधिग्रस्त होने की प्रवृत्ति रहेगी। परिवारजनों की बीमारी चिन्तित रखेगी। वैसे आपका मन धार्मिक क्रिया कलाप की

वर्षफल : 2029

और झुका रहेगा और अगर पवित्र स्थलों की यात्रा करेंगे तो लाभप्रद रहेगा।

आप 07/03/2030 से 06/05/2030 तक शुक्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शुक्र 3 भाव में है।

इस अवधि के दौरान आप अत्याधिक उत्साही और स्फूर्तिवान रहेंगे। छोटी यात्राएँ सुखद एवम् सुफलदायक रहेंगी। पारिवारिक सुख कायम रहेगा और भाई बहन खुशहाल और सुखी रहेंगे। आप तुरंत निर्णय ले सकने की स्थिति में होंगे और यह निर्णय सही होंगे। इस दौरान आपके पास अपना वाहन होगा। लोगों से आपके सम्पर्क बढ़ेंगे। नौकरी में पदोन्नति होगी। सौभाग्यशाली समय होने के कारण मनचाहा काम होता रहेगा।

आप 07/05/2030 से 15/05/2030 तक रवि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में रवि 2 भाव में है।

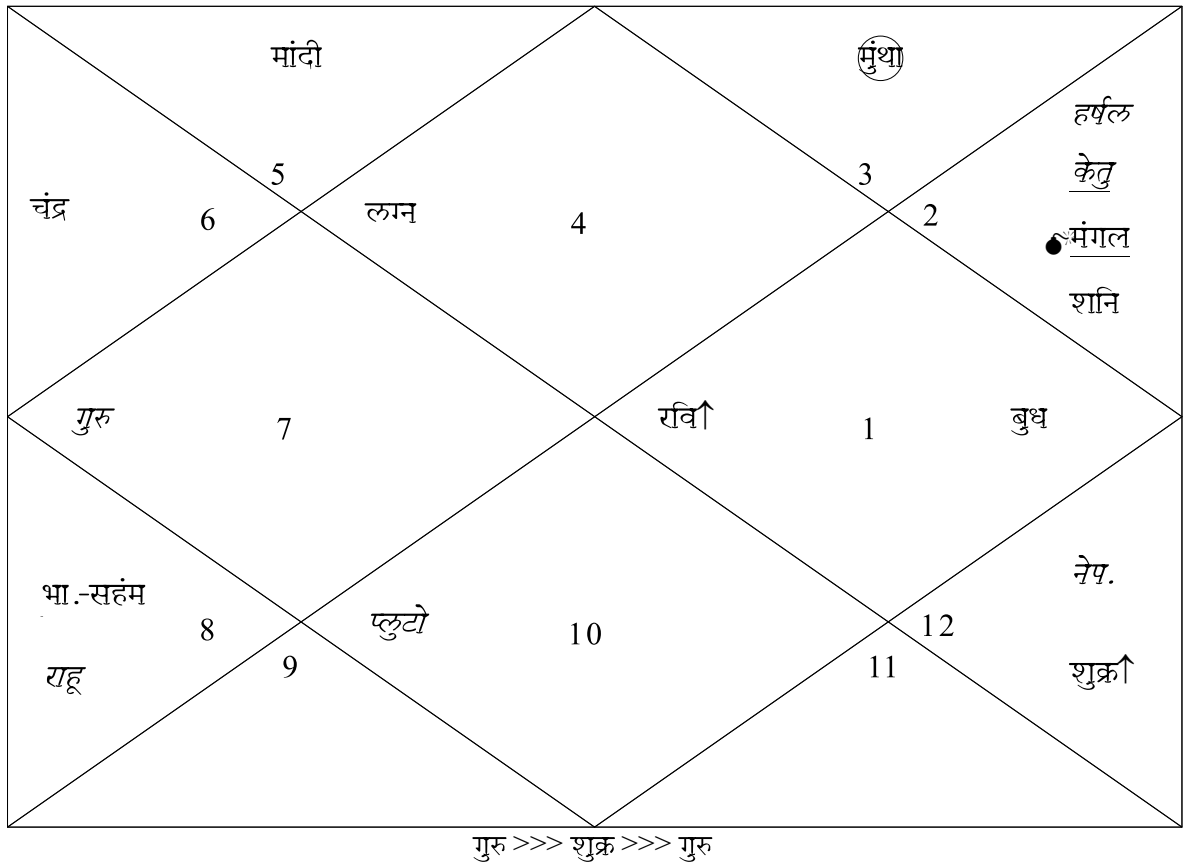
घरेलू जीवन सुखद रखने के लिए पर बहुत ध्यान देना पड़ेगा। आपकी शारीरिक तनाव और बोझ सहने की अच्छी क्षमता है लेकिन परिवार के झंझटों के कारण क्षमता से अधिक कष्ट भोगना पड़ सकता है। आर्थिक हानियाँ होंगी और सम्पत्ति का क्षय होगा। संपत्ति संबंधी मामलों में काफी सचेत रहने की आवश्यकता है। आंखों और मुंह की बीमारी से सचेत रहे।

वर्षफल : 2030

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशी अंश	नक्षत्र	रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न	कर्क 02:35:58	पुनर्वसु 4	चंद्र	गुरु	राहू	-
रवि	मेष 29:11:20	कृत्तिका 1	मंगल	रवि	मंगल	मृत
चंद्र	कन्या 13:34:04	हस्त 2	बुध	चंद्र	राहू	युवा
मंगल	वृषभ 02:01:07	कृत्तिका 2	शुक्र	रवि	गुरु	मृत
बुध	मेष 05:13:41	अश्विनी 2	मंगल	केतु	मंगल	बाल
गुरु (व)	तुला 28:23:25	विशाखा 3	शुक्र	गुरु	शुक्र	मृत
शुक्र	मीन 19:27:45	रेवती 1	गुरु	बुध	शुक्र	कुमार
शनि	वृषभ 03:24:23	कृत्तिका 3	शुक्र	रवि	शनि	मृत
राहू (व)	वृश्चिक 23:27:45	ज्येष्ठा 3	मंगल	बुध	मंगल	कुमार
केतु (व)	वृषभ 23:27:45	मृग 1	शुक्र	मंगल	मंगल	कुमार
हर्षल (व)	वृषभ 22:51:43	रोहिणी 4	शुक्र	चंद्र	रवि	कुमार
नेप. (व)	मीन 18:03:44	रेवती 1	गुरु	बुध	बुध	कुमार
प्लुटो (व)	मकर 17:46:27	श्रवण 3	शनि	चंद्र	शनि	युवा
मांदी	सिंह 17:12:12	पूर्वा-फा. 2	रवि	शुक्र	चंद्र	-
भा.-सहंम	वृश्चिक 16:58:43	ज्येष्ठा 1	मंगल	बुध	बुध	-
मुंथा	मिथुन 15:33:04	आर्द्रा 3	बुध	राहू	शुक्र	-

वर्ष लग्न कुंडली



वर्षफल : 2030

आप 13/05/2030 से 05/06/2030 तक चंद्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में चंद्र 3 भाव में है।

इस अवधि में आपका आत्मविश्वास बढ़ा चढ़ा रहेगा। भाई बहन भी खुशहाल रहेंगे। माँ बाप से संबंध बहुत अच्छे रहेंगे। अगर नौकरी करते हैं तो पदोन्नति की संभावना है। स्थान या व्यवसाय में परिवर्तन की भी संभावना है।

आप 06/06/2030 से 26/06/2030 तक मंगल ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में मंगल 11 भाव में है।

मित्रों और सहयोगियों से आपको लाभ मिलेगा। बहु प्रतिक्षित इच्छाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति होगी और लम्बी यात्राएं सफल रहेंगी। आमदनी में वृद्धि होना सुनिश्चित है। विलास सामग्री एवम् अन्य चीजों पर आप व्यय करेंगे। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा।

आप 27/06/2030 से 20/08/2030 तक राहू ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में राहू 5 भाव में है।

सही निर्णय लेने की आपकी क्षमता और योग्यता पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। आप अपने आस पास भ्रम का विश्व बना लेना चाहेंगे। झूठी आशाएं लक्ष्य को भ्रमित कर देंगी। सट्टेबाजी की प्रवृत्ति पर पूरा अंकुश लगायें। मित्रों से संबंध मधुर नहीं रहेंगे। किसी मुकदमेबाजी के चक्कर में अपने आपको न फंसायें। किसी के जमानती बनने की बिल्कुल भी चेष्टा न करें। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें फूड पाइजनिंग के कारण पेट के रोग उभर सकते हैं।

आप 21/08/2030 से 08/10/2030 तक गुरु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में गुरु 4 भाव में है।

इस अवधि में जीवन व्यापन सुविधा सम्पन्न रहेगा। पारिवारिक सुख प्राप्त करेंगे। सम्पत्ति आदि पर व्यय होगा तथा व्यापार-व्यवसाय के विकास पर भी धन व्यय करेंगे। अचानक अपार धन लाभ प्राप्त करेंगे। बड़ें अफसरों और शक्तिवान व्यक्तियों के सम्पर्क में आयेंगे। आपकी ख्याति और सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार में बदलाव या नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धर्म के प्रति आपका झुकाव रहेगा और पवित्र स्थलों की यात्रा करेंगे। इस पूरी अवधि में दिमाग अनुकूल रहेगा और आप सुख भोगेंगे।

आप 09/10/2030 से 05/12/2030 तक शनि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शनि 11 भाव

वर्षफल : 2030

मे है।

इस अवधि में आपकी सारी इच्छाओं और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। आप नए उद्यम शुरू करेंगे। मित्रों और हितैषियों से खूब मदद मिलेगी। इस अवधि में व्यापार द्वारा आपको अच्छा खासा लाभ होना चाहिए। निकट संबंधी के बारे में कोई अच्छी प्रिय खबर मिल सकती है। सुदूर प्रदेशों के निवासियों से आपके अच्छे संबंध कायम होंगे। भ्रमण उपयोगी रहेगा। प्रणय संबंधों के लिए भी यह समय अच्छा है। परिवारजनों का व्यवहार आपके प्रति बहुत अच्छा रहेगा।

आप 06/12/2030 से 26/01/2031 तक बुध ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में बुध 10 भाव में है।

व्यापार या व्यवसाय में आप बहुत अच्छा काम करेंगे। व्यापार का विस्तार भी हो सकता है। इस अवधि के दौरान आप पूरी तरह कर्मठ रहेंगे। वरिष्ठ लोगों या सत्तावान व्यक्तियों के साथ आपके संबंध में सुधार आयेगा। पारिवारिक माहौल संतोषप्रद रहेगा। आपको वाहन भी प्राप्त हो सकता है। विदेशों से अच्छी खबर मिलने की संभावना है। घर में किसी शुभ कार्य का आयोजन होगा।

आप 27/01/2031 से 17/02/2031 तक केतु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में केतु 11 भाव में है।

अचानक परिस्थितियाँ आपके अनुकूल होती जायेंगी। कुछ व्यापारिक सौदे आपको काफी लाभांशित कर देंगे। मित्र और हितैषियों का पूरा सहयोग रहेगा। उच्च कोटि के शारिरिक या मानसिक सुख आपको प्राप्त होंगे। अगर नौकरी पेशा हैं तो पदोन्नति प्राप्त करेंगे। इस अवधि में लम्बी यात्रा की भी प्रबल संभावना है। पारिवारिक जीवन संतोष प्रदान करेगा। सामाजिक क्षेत्र में आप प्रचुर प्रतिष्ठा और सम्मान के भागी होंगे।

आप 18/02/2031 से 19/04/2031 तक शुक्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शुक्र 9 भाव में है।

उच्च पदस्थ लोगों से आप सम्मान प्राप्त करेंगे और उनके कृपा भाजन रहेंगे। माता पिता और गुरुजनों से संबंध अति मधुर रहेंगे। इस अवधि के दौरान आप सुंदर प्रदेशों की यात्रा करेंगे। पारिवारिक जीवन आपके लिये सुखद एवम् अनुकूल रहेगा। आप के थोड़े प्रयत्न करने पर भी आपकी आमदनी बढ़ जायेगी। इस अवधि के दौरान विपरीत परिस्थितियों से सही तौर पर निपटने की आपकी क्षमता का विकास होगा। अगर आपकी पदोन्नति होने ही वाली है तो जैसा आप चाहेंगे वैसा ही होगी। आप धार्मिक

वर्षफल : 2030

क्रियाकलापों एवम् जीवन संबंधी उच्च दर्शन की ओर आकृष्ट होंगे। हर लिहाज से यह समय अच्छा है।

आप 20/04/2031 से 07/05/2031 तक रवि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में रवि 10 भाव में है।

इस अवधि में आप बहुत क्रियाशील एवम् व्यस्त रहेंगे। व्यापार या नौकरी में सफलता प्राप्त करेंगे और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के कृपाभाजन रहेंगे। यह समय आपकी कर्मठता का समय सिद्ध होगा। व्यापार के कारण सफल यात्राएँ करेंगे। सब लिहाज से यह समय सारी आर्थिक समस्याओं से छुटकारा पा जायेंगे।

आप 08/05/2031 से 15/05/2031 तक चंद्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में चंद्र 3 भाव में है।

इस अवधि में आपका आत्मविश्वास बढ़ा चढ़ा रहेगा। भाई बहन भी खुशहाल रहेंगे। माँ बाप से संबंध बहुत अच्छे रहेंगे। अगर नौकरी करते हैं तो पदोन्नति की संभावना है। स्थान या व्यवसाय में परिवर्तन की भी संभावना है।